NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विज़डम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्षः 13 अंकः 203 लखनऊ, बुधवार 06 मार्च 2024 मूल्यः 02 रुपये पृष्ठ- 08

लोकसभा चुनाव में 400 के पास पहुंच सकता है एनडीए जानें अभी हुए चुनाव तो भाजपा को आएंगी कितनी सीटें

एजेंसी।
नई दिल्ली जनमत सर्वेक्षण 5 से 23 फरवरी के बीच सभी 543 निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित किया गया था, और उत्तरदाताओं की कुल संख्या 1,62,900 थी। इनमें 84,350 पुरुष और 78,550 महिलाएं शामिल हैं। सर्वे के मुताबिक, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने दम पर 335 सीटें जीत सकती है। अगर अभी चुनाव हों तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाला राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) 543 लोकसभा सीटों में से 378 सीटें जीत सकता है। इंडिया टीवी–सीएनएक्स ओपिनियन पोल के सर्वेक्षण में इस बात का दावा किया गया है। वहीं, विपक्षी कांग्रेस के नेतृत्व वाली ए्छ.क्९।. ब्लॉक (तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर) 98 सीटें जीत सकता है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी),

जगन मोहन रेड्डी की वाईएसआरसीपी, चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली टीडीपी, नवीन पटनायक की बीजेडी और निर्दलीय सहित अन्य को शेष 67 सीटें मिल सकती हैं। जनमत सर्वेक्षण 5 से 23 फरवरी के बीच सभी 543 निर्वाचन क्षेत्रों में आयोजित किया गया था, और उत्तरदाताओं की कुल संख्या 1,62,900 थी। इनमें 84,350 पुरुष और 78,550 महिलाएं शामिल हैं। सर्वे के मुताबिक, सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने दम पर 335 सीटें जीत सकती है। वह गुजरात की सभी 26 सीटों, मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों, राजस्थान की सभी 25 सीटों, हरियाणा की सभी 10 सीटों, दिल्ली की सभी सात सीटों, उत्तराखंड की सभी 5 सीटों और सभी 4 सीटों पर क्लीन स्वीप करने जा रही है। जनमत सर्वेक्षण के अनुसार हिमाचल प्रदेश। सबसे शानदार जीत उत्तर प्रदेश में होने जा रही है, जहां भाजपा 74 सीटें जीत सकती है, और उसके गठबंधन सहयोगी राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) और अपना दल कुल 80 सीटों में से दो–दो सीटें जीत सकते हैं। शेष दो सीट अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी (सपा) जीत सकती है। यूपी में कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को एक भी सीट नहीं मिल सकती। अन्य राज्य जहां भाजपा उल्लेखनीय जीत हासिल करने जा रही है वे हैं बिहार (40 में से 17), झारखंड (14 में से 12), कर्नाटक (28 में से 22), महाराष्ट्र (48 में से 25), ओडिशा (21 में से 10)), असम (14 में से 10) और पश्चिम बंगाल (42 में से 20)। क्षेत्रीय दलों में, तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल में 21 सीटें जीत सकती है, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) तमिलनाडु में 20 सीटें जीत सकती है, वाईएसआरसीपी 15 सीटें जीत सकती है और टीडीपी आंध्र प्रदेश में 10 सीटें जीत सकती है

योगी कैबिनेट का विस्तार, 4 नए मंत्रियों ने ली शपथ, ओपी राजभर को भी मौका

लखनऊ 5 साल बाद ओपी राजभर की योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में एक बार फिर वापसी हुई है। वहीं, सुनील शर्मा ने 2017 और 2022 के चुनाव में गाजियाबाद की साहिबाबाद सीट को रिकॉर्ड अंतर से जीता था। राष्ट्रीय लोक दल के साथ भाजपा का हाल में ही गठबंधन हुआ है। एसबीएसपी प्रमुख ओम प्रकाश राजभर, आरएलडी के एक विधायक और दारा सिंह चौहान को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना है। यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आज आगरा दौरे से लौटने के बाद यह विस्तार हो सकता है। मंत्री पद की शपथ लेने वालों में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के प्रमुख ओपी राजभर, राष्ट्रीय लोक दल (आरएलडी) के अनिल कुमार और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो सदस्य– दारा सिंह चौहान और सुनील शर्मा शामिल हैं। प्रमुख ओपी राजभर ने कहा, ष्गरीबों की सेवा का जो लक्ष्य है उसमें हम अनवरत काम करते रहते हैं... सरकार की जो भी योजनाएं हैं उसे हम गरीब और कमजोर लोगों तक पहुंचाने का हम काम करेंगे, उन्हें न्याय दिलाने का काम करेंगे।ष् त्स्क विधायक अनिल कुमार ने कहा, ष्मेरे लिए यह बहुत खुशी का पल है। मैं पार्टी अध्यक्ष जयंत चौधरी, प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करता हूं... लोकसभा चुनाव में सब मजबूती से लड़ेंगे।ष् भाजपा नेता दारा सिंह चौहान ने कहा, ष्आज जो जिम्मेदारी मिली है उसका ईमानदारी से निर्वहन करूंगा... मैं इस क्षण के लिए पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, प्रधानमंत्री मोदी,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करता हूं। 5 साल बाद ओपी राजभर की योगी आदित्यनाथ कैबिनेट में एक बार फिर वापसी हुई है। वहीं, सुनील शर्मा ने 2017 और 2022 के चुनाव में गाजियाबाद की साहिबाबाद सीट को रिकॉर्ड अंतर से जीता था। राष्ट्रीय लोक दल के साथ भाजपा का हाल में ही गठबंधन हुआ है। अनिल कुमार मुजफ्फरनगर की पुरकाजी सीट से रालोद के विधायक हैं। दारा सिंह चौहान को भी मंत्री बनाया गया है। चुनाव से पहले भाजपा छोड़ वह सपा में चले गए थे। फिर वह विधायक पद से इस्तीफा देकर भाजपा में वापस लौटे और घोसी सीट से उपचुनाव लड़ा। लेकिन हार गए। अब वह भाजपा से विधानपरिषद के सदस्य है।

हिंद महासागर क्षेत्र में नहीं चलेगी किसी की दादागिरी, संप्रभुता की रक्षा के लिए भारत मौजूद, राजनाथ का चीन को सख्त संदेश

एजेंसी।
नई दिल्ली हिंद महासागर क्षेत्र में, हमने यह सुनिश्चित किया है कि नियम–आधारित समुद्री व्यवस्था मजबूत हो। सिंह ने गोवा में नेवल वॉर कॉलेज (एनडब्ल्यूसी) में नए प्रशासनिक और प्रशिक्षण भवन के औपचारिक उद्घाटन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि हिंद महासागर के सभी पड़ोसी देशों को उनकी स्वायत्तता और संप्रभुता की रक्षा करने में मदद की जाए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने

मंगलवार को कहा कि भारतीय नौसेना यह सुनिश्चित कर रही है कि कोई भी देश, अपनी जबरदस्त आर्थिक और सैन्य शक्ति के साथ, हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में मित्र देशों पर प्रभुत्व स्थापित करने या उनकी संप्रभुता को खतरे में डालने में सक्षम न हो। रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में तटीय देशों को पूर्ण सहायता प्रदान करके अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में, हमने यह सुनिश्चित किया है कि नियम–आधारित समुद्री व्यवस्था मजबूत हो। सिंह ने गोवा में नेवल वॉर कॉलेज (एनडब्ल्यूसी) में नए प्रशासनिक और प्रशिक्षण भवन के औपचारिक उद्घाटन के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि हिंद महासागर के सभी पड़ोसी देशों को उनकी स्वायत्तता और संप्रभुता की रक्षा करने में मदद की जाए। हमने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी इस क्षेत्र में आधिपत्य का प्रयोग न करे।मंत्री ने खतरे की आशंका से निपटने में बदलाव पर भी प्रकाश डाला। पहले, लगभग सभी सरकारें भूमि सीमाओं को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करती थीं, लेकिन समुद्री खतरों को उतना महत्व नहीं दिया जाता था। हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में हमारे विरोधियों की बढ़ती आवाजाही और क्षेत्र के वाणिज्यिक महत्व को देखते हुए, हमारी खतरे की धारणा का फिर से आकलन करना और तदनुसार हमारे सैन्य संसाधनों और रणनीतिक ध्यान को फिर से संतुलित करना आवश्यक था। उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल आईओआर में भारत की भूमिका की फिर से कल्पना की है बल्कि इसे मजबूत भी किया है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के कारण, भारत आज आईओआर में प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता और पसंदीदा सुरक्षा भागीदार के रूप में उभरा है।

इमरजेंसी सुविधा में होगी बढोतरी-प्रो.सीएम सिंह

लखनऊ (आरएनएस)। किसी भी मरीज को बिना इलाज वापस न जाना पड़े इसके लिए इजरजेंसी स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार की जरूरत है। इसमें बेड बढोतरी के साथ जो भी कमियां होंगी उसे दूर करने के लिए प्रयत्नशील हूं और यह कमिटमेंट है कि किसी भी मरीज को शिकायत करने का मौका नहीं दिया जायेगा। यह बातें मंगलवार को डॉ.राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान नवनियुक्त निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी ट्रामा सेन्टर में सुविधाओं को कैसे बढाया जाये उस पर कार्य किया जा रहा है।प्रो. सिंह ने कहा कि पढाई कर रहे एमबीबीएस छात्रों को शोध के क्षेत्र से जोड़ा जायेगा।जिससे किसी भी बीमारी का इलाज करना आसान बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि चिकित्सा स्वास्थ्य को आसान बनाने में शोध की अहम भूमिका होती है। वहीं वार्ता के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो.एके सिंह मीडिया प्रभारी डॉ. एपी जैन, एमएस डॉ.विक्रम सिंह, डॉ निमिषा समेत संस्थान के अन्य लोग मौजूद रहे। इसी क्रम में वार्ता से पहले डॉ.एपी जैन ने निदेशक प्रो. सीएम सिंह द्वारा हासिल चिकित्सा के क्षेत्र में उपलब्धियों का वर्णन किया । साथ ही उन्होंने प्रो.सिंह द्वारा किये शोध कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

भाजपा महिला मोर्चा ने 1090 से निकाली स्कूटी यात्रा भूपेन्द्र चौधरी ने स्कूटी यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

लखनऊ (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंगलवार को 1090 चौराहे पर स्कूटी यात्रा को झंडी दिखाकर भाजपा प्रदेश मुख्यालय के लिए रवाना किया। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश महामंत्री व राज्यसभा सांसद अमरपाल मौर्य, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद गीता शाक्य व भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश मीडिया प्रभारी चेतना

पांडेय प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।स्कूटी पर होकर सवार महिलाओं ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार प्रकट किया।गीता शाक्य के नेतृत्व में शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत शक्ति वंदन स्कूटी यात्रा का आयोजन 1090 चौराहे से प्रदेश मुख्यालय भाजपा लखनऊ तक किया गया।भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर यात्रा का समापन हुआ। महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं के हित में अनेक कार्य हुए हैं। सरकारी योजनाएं भी महिलाओं को केन्द्रित कर बनायी गयी हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम केन्द्र सरकार ने पास किया है। इससे महिलाओं को संसद व विधानसभा में प्रतिनिधित्व मिलेगा। इसके लिए महिला मोर्चा प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करती है।

डीआरएम ने लखनऊ-कानपुर रेलखंड का किया दौरा

लखनऊ (आरएनएस)। डीआरएम एसएम शर्मा ने मंगलवार को लखनऊ–कानपुर रेललाइन पर लखनऊ से सोनिक स्टेशन के मध्य विंडो ट्रेलिंग करते हुए निरीक्षण किया। सबसे पहले उन्होंने लखनऊ स्टेशन का संक्षिप्त निरीक्षण किया। टिकट काउंटरों पर यात्रियों से बातचीत करते हुए उन्होंने उनकी सुविधा के लिए ऐप के माध्यम से टिकट प्राप्त करने को प्रेरित किया।उक्त रेलखलंड पर विशेष रूप से ट्रैक, ओएचई और सिग्नल प्रणाली मे अपग्रेडेसन की बात कही। गुड्स साइडिंग का निरीक्षण किया व टर्मिनल के आउटपुट को बढ़ाने के लिए एफसीआई कर्मचारियों के साथ चर्चा की। पेयजल व्यवस्था , टर्मिनल की मरम्मत आदि के कार्यों का मूल्यांकन किया और स्टेशन पर कार्य करने वाले श्रमिकों से बातचीत की।

1,000 रुपये प्रति माह देने वाली योजना के लिए जल्द शुरू होगा पंजीकरण, दिल्ली CM Kejriwal ने की घोषणा

दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए विधानसभा में बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी, जिसके तहत 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह दिया जाएगा।नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए महिलाओं का आशीर्वाद मांगते हुए मंगलवार को घोषणा की कि उन्हें 1,000 रुपये प्रति माह देने वाली योजना के लिए पंजीकरण जल्द ही शुरू होगा। दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024–25 के लिए विधानसभा में बजट पेश करते हुए मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी।

उज्जैन में महाकाल के दरबार पहुंचे राहुल गांधी, दर्शन के बाद किया रोड शो, मोदी–मोदी के भी लगे नारे

एजेंसी
उज्जैन कांग्रेस ने लिखा कि आज उज्जैन के विश्वप्रसिद्ध महाकालेश्वर

मंदिर में राहुल गांधी ने भगवान शिव की पूजा–अर्चना कर देश की सुख–शांति और समृद्धि की कामना की। श्री महाकाल के आशीर्वाद से हम देश में अन्याय को हराकर, न्याय स्थापित करने में जरूर सफल होंगे। कांग्रेस नेता और वायनाड सांसद राहुल गांधी ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की राजनीतिक यात्रा में एक आध्यात्मिक यात्रा को एकीकृत करते हुए, उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह यात्रा न केवल राजनीति के साथ आस्था के मिश्रण का प्रतीक है, बल्कि कांग्रेस के चल रहे अभियान प्रयासों में उज्जैन की अद्वितीय प्रासंगिकता को भी रेखांकित करती है, जो भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा दोनों में प्रदर्शित एकमात्र शहर है। कांग्रेस ने तस्वीरों को साक्षा करते हुए कहा कि धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो। प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो।कांग्रेस ने लिखा कि आज उज्जैन के विश्वप्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में राहुल गांधी ने भगवान शिव की पूजा–अर्चना कर देश की सुख–शांति और समृद्धि की कामना की। श्री महाकाल के आशीर्वाद से हम देश में अन्याय को हराकर, न्याय स्थापित करने में जरूर सफल होंगे। इसके बाद उन्होंने एक सभा में कहा कि हमें श्नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकानश खोलनी है। ये काम बहुत आसान है– जैसे यात्रा के दौरान ठश्रच के कार्यकर्ता झंडा लिए खड़े थे, वे चिल्ला रहे थे। मैं गाड़ी से उतरकर उनसे मिला तो उन्होंने चिल्लाना बंद कर दिया और फिर मुस्कुराना शुरु कर दिया। राहुल ने कहा कि मोहब्बत की दुकान खोलना काफी आसान होता है। उन्होंने कहा कि जो लोग डरते हैं, नफरत उन्हीं के अंदर पैदा होती है। जो निडर होकर मुश्किलों का सामना करते हैं, वे जीवन में कुछ भी कर सकते हैं। राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा मंगलवार को जब मध्य प्रदेश के शाजापुर शहर से गुजर रही थी तो उनका मोदी–मोदी के नारे के साथ स्वागत किया गया। कांग्रेस नेता ने अपना काफिला रोककर नारे लगाने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। गांधी को आगे बढ़ने से पहले अपने वाहन से भाजपा कार्यकर्ताओं को 'फ्लाइंग किस' देते हुए देखा गया। गांधी की यात्रा ने शनिवार दोपहर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित मध्य प्रदेश में प्रवेश किया। जब यह यात्रा शाजापुर से गुजर रहा था, तो एबी रोड पर पार्षद मुकेश दुबे के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के एक समूह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा में मोदी–मोदी के नारे लगाते देखा गया। उन्हें देखकर गांधी ने गाड़ी उनके पास रोकने को कहा और फिर उन्होंने वाहन से उतरकर उनसे मुलाकात की। जब वह उनसे मिल रहे थे, तो भाजपा कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम के नारे लगाए।

पारदर्शी प्रक्रिया के तहत पूरे प्रदेश से 61 खादिमुल हुज्जाज हज सेवक का चयन लाटरी द्वारा किया गया

खादिमुल हुज्जाज हज यात्रियों के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन ईमानदारी से करें

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश से जाने वाले हज यात्रियों के सहायतार्थ व मार्गदर्शनार्थ भेजे जाने वाले खघदिमुल हुज्जाज (हज सेवक) का चयन आज उ0प्र0 के अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी एवं उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति के अध्यक्ष मोहसिन रजा की गरिमामयी उपस्थिति में मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस, सरोजनीनगर में आयोजित कार्यक्रम में किया गया। लाटरी प्रक्रिया के तहत पर्ची निकलवाकर 61 खादिमुल हुज्जाज (हज सेवक) का चयन किया गया। शेष सूची में से प्रतीक्षा सूची हेतु 10 प्रतिशत के आधार पर 06 आवेदकों का चयन किया गया। इस अवसर पर उ0प्र0 राज्य हज समिति के सदस्यगण भी उपस्थित थे। अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि हज यात्रियों को हज के दौरान किसी भी स्तर पर कोई भी कठिनाई का सामना न करना पड़े और उन्हें बेहतरीन सुविधायें प्रदान की जाये। उन्होंने कहा कि खघदिमुल हुज्जाज का चयन पारदर्शी प्रक्रिया के तहत लाटरी द्वारा सार्वजनिक रुप से पर्ची निकलवाकर किया गया है। श्री अंसारी ने समस्त चयनित महिला एवं पुरुष आवेदकों को बधाई देते हुए निर्देश दिये कि चयनित खघदिमुल हुज्जाज इस प्रदेश से जाने वाले हज यात्रियों को हज यात्रा के दौरान हर सम्भव सहायता प्रदान किये जाने में पूर्ण सहयोग देंगे। इस अवसर पर उ0प्र0 राज्य हज समिति के अध्यक्ष मोहसिन रजा ने कहा कि चयनित खादिमुल हुज्जाज को यह पवित्र अवसर मिला है कि वह हज यात्रियों के प्रति अपने सभी दायित्वों को पूरा करें। उन्होंने हज सेवकों का चयन निष्पक्षता एवं पारदर्शितापूर्वक किये जाने का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश से जाने वाले किसी भी हज यात्री को यात्रा के दौरान किसी प्रकार का कष्ट न हो। सरकार द्वारा भी इसी उददेश्य से खघदिमुल हुज्जाज का चयन कर उन्हें ड्यूटी पर तैनात किया जाता है। उल्लेखनीय है कि खादिमुल हुज्जाज हेतु कुल 273 आवेदकों ने निर्धारित समय में ऑनलाइन आवेदन किया जिसकी स्कूटनी कार्यालय स्तर पर की गयी। 160 आवेदकों को पात्र पाया गया जिसमें 150 पुरुष व 10 महिलाएं हैं। खादिमुल हुज्जाज में दो बार से अधिक बार गये, हज–2023 में गये, निर्धारित समय में आवश्यक प्रपत्र ऑनलाइन अपलोड न किये जाने, हजध्उमराह का प्रमाण न होने, पासपोर्ट की वैद्यता न होने के कारण ऐसे आवेदन अपात्र कर दिये गये। हज कमेटी आफ इण्डिया के निर्देशों के अनुसार 300 हज यात्रियों पर 01 खादिमुल हुज्जाज भेजा जाना है। इस वर्ष उत्तर प्रदेश से कुल 19,702 हज आवेदकों का चयन हुआ है जिसमें 1404 आवेदन विभिन्न कारणों से निरस्त हो गये हैं। इस प्रकार 18,298 हज यात्री हज यात्रा करेंगे। इस प्रकार 300 आवेदक पर एक के अनुपात में 61 खादिमुल हुज्जाज का चयन होना है।

मथुरा रंगोत्सव के आयोजन के लिए राज्य सरकार की तैयारी जोरों पर

ब्रज की विश्व प्रसिद्व होली के आयोजन के अंतर्गत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन स्थानीय कलाकारों द्वारा किया जायेगा - जयवीर सिंह

लखनऊ (आरएनएस)। मथुरा रंगोत्सव को भव्य ढंग से आयोजित कराने के लिए ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। मथुरा की लठ्ठमार होली पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। इस अवसर पर देशी–विदेशी आगन्तुकों की भारी भीड़ एकत्र होती है। आगन्तुकों के मनोरंजन के लिए स्थानीय कलाकारों द्वारा विभिन्न स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का प्रस्तुतीकरण किया जाता है। इस आयोजन में देश व प्रदेश की गौरवशाली विरासत की झलक प्राप्त होती है। इसके साथ ही कलाकारों को अपने प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही इन कलाकारों को आजीविका प्राप्त होती है। मथुरा रंगोत्सव के अंतर्गत 26 मार्च को बलदेव दाऊजी का हुरंगा आयोजित किया जाएगा, जिसमें मंदिर परिसर में फूलों के रंगो से होली खेली जाती है।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने मथुरा रंगोत्सव के आयोजन के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि होली का त्योहार हमारी संस्कृति का एक अटूट हिस्सा है। बरसाना की होली सदियों से चलती आ रही है। राज्य सरकार ने इस अवसर पर देशी–विदेशी पर्यटकों को लुभाने के लिए मथुरा, वृंदावन एवं बरसाना में बुनियादी सुविधाएं सृजित की हैं। मथुरा–वृंदावन और बरसाना की प्रसिद्ध होली देखने के लिए लोग देश–विदेश से यहां आते हैं। बरसाना की लड्डू होली और लट्ठमार होली विश्वभर में प्रसिद्ध है। वैसे तो 40 दिन तक होली का उत्सव चलता है, लेकिन असली उत्साह होली के एक सप्ताह पूर्व से बढ़ने लगता है। इसकी शुरुआत बरसाना लड्डू होली और लट्ठमार होली से होती है। राज्य सरकार इसके सफल आयोजन के लिए पूरी तैयारी कर रखी है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि होली रंगों और खुशियों का त्योहार है। फाल्गुन माह में होली पूरे देश में मनाई जाती है लेकिन ब्रज की होली का विशेष महत्व है, क्योंकि इसका संबंध भगवान कृष्ण से माना जाता है। मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, गोकुल, नंदगांव और बरसाना समेत ब्रज क्षेत्र अपनी तरह की अनोखी होली के लिए प्रसिद्ध हैं। मथुरा में 40 दिनों तक चलने वाले रंगोत्सव की शुरुआत बसंत पंचमी से होती है और समापन रंग पंचमी के दिन होता है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ब्रज की होली विश्व प्रसिद्ध है, मथुरा–वृन्दावन की होली के साथ बरसाना की लट्ठमार होली का आकर्षण देश ही नहीं विदेशों में भी है। इसे देखने के लिए विश्वभर के सैलानी आते है और हमारी संस्कृति को दुनियाभर में प्रचारित प्रसारित करते हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार आधुनिकता एवं परम्परा को जोड़ते हुए विभिन्न उत्सवों को नया रूप दे रही है। इसके साथ ही पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं भी सुलभ करायी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन से मान्यता के साथ ही आस्था को बढ़ावा मिल रहा है क्योंकि इस सेक्टर में निवेश के साथ ही राजस्व अर्जन का अर्थतंत्र जुड़ा हुआ है।

भाजपा सरकार बताये कि नौजवानों को कितनी नौकरियां दी – अखिलेश यादव

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा नौजवानों को 2 करोड़ नौकरी प्रतिवर्ष देने का वादा करके सत्ता आयी थी। केन्द्र की भाजपा सरकार के 10 वर्ष में और उत्तर प्रदेश की 7 साल की भाजपा सरकार बताये कि नौजवानों को कितनी नौकरियां दी?भाजपा की डबल इंजन सरकार का विदेशी पूंजीनिवेश लाने और युवाओं को नौकरी देने का वादा भी जुमला साबित हुआ। न निवेश आया और न ही किसी बेरोजगार को नौकरी मिली। कोविड काल में युवाओं की नौकरियां चली गई और कारखाने बंद हो गये। जो कारखाने चल भी रहे थे वह आज बंद होने के कगार पर है। करोड़ों की संख्या में नौजवान बेरोजगार हुए। आज बेरोजगारी चरम पर है।सच तो यह है कि भाजपा ने नौजवानों की नौकरी छीनने का काम किया है। जबसे भाजपा की डबल इंजन सरकार सत्ता में आयी है नौजवानों की नौकरियां छीनी जा रही है। सरकारी या गैरसरकारी संस्थानों की नौकरी में लोगों की छंटनी हो रही है। आज बेरोजगारी के चलते नौजवान युद्धग्रस्त देशों में नौकरी करने के लिए विवश है। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के चलते युवा नौजवान के सामने रोटी–रोजी का संकट है। ऐसी स्थिति में युवाओं–नौजवानों के सामने पलायन के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं है। युवा अब विदेश में नौकरी तलाश रहे है। अपने देश और परिवार से दूर रहकर अपनी जिंदगी का दांव पर लगाने को मजबूर है। अभी पिछले दिनों प्रदेश के हजारों नौजवान युद्धग्रस्त इजरायल में नौकरी पाने की लाइन में लगे दिखे। ताजा खबर है कि इजरायल में भारतीय नागरिकों पर मिसाइल हमले हुए जिनमें एक भारतीय की मौत हो गई और दो घायल हो गए। माना जाता है कि यह हमला गाजा पट्टी में चल रहे युद्ध के बीच हमास के समर्थन में लेबनान स्थित आतंकवादी संगठन हिजबुल्ला की ओर से किए गए। यह भी खबर है कि भारतीय नौजवान रूस की एक प्राईवेट सेना की तरफ से यूक्रेन में लड़ने के लिए

भेजे जा रहे है। कोई दूर देश में अपनी जान गंवाने के लिए नहीं जाता है वह तो यह सोचकर जाता है कि यहां भूखो मरने से अच्छा है कि बाहर जाकर कुछ कमाई कर ले।

दो दिन में भी नहीं मिला किसानों का मुआवजा– अजय राय

लखनऊ(आरएनएस)। प्रदेश के किसान की फसलों को नष्ट हुए दो दिन से अधिक हो चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई जिम्मेदार उन तक नहीं पहुंचा है। इधर मुख्यमंत्री 24 घण्टे में मुआवजा देने की बात कर रहे हैं, उधर आपदा से जुड़ा कोई भी टोल फ्री नंबर काम नहीं कर रहा है। संकट में किसान है और त्वरित लाभ देने के बजाय पहले सर्वे कराने की और लंबी चौड़ी कागजी कार्यवाही करने की बात की जा रही है। उक्त बातें आज कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय जी ने कहीं। मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ0 सी0पी0 राय ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रेस वार्ता में राजधानी के काकोरी ब्लॉक के करझन ग्राम के किसान (आसाराम रावत, वीरेंद्र रावत, लक्ष्मण यादव) जी भी सम्मिलित हुए। किसानों ने अपने साथ नष्ट हुई फसलों (मटर, आलू, टमाटर, प्याज) के नमूने भी लेकर आये थे। किसान आसाराम रावत ने भी प्रेसवार्ता को सम्बोधित किया और कहा कि भारी वर्षा एवं ओलावृष्टि से लगभग 80 प्रतिशत तक फसल बर्बाद हो गई है। प्रदेश का किसान त्राहि–त्राहि कर रहा है, सरकार सिर्फ जुमले उछाल रही है। प्रेसवार्ता में आगे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि योगी और मोदी की डबल इंजन की सरकार किसान एवं मजदूर विरोधी है। सरकार अपने बजट में खुद यह दर्शाती है कि उ0प्र0 के लगभग ढाई करोड़ किसानों में से सिर्फ 10 लाख किसानों को मुआवजा मिला था। असल में सच यह है कि ''फसल बीमा'' के इस खेल में सिर्फ निजी कंपनियों ही फायदा उठा रही हैं। कहा कि 16 नवंबर 2023 से उ0प्र0 में मनरेगा मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिली है। जबकि अधिनियम कहता है कि 15 दिनों के अन्दर मजदूरी खातों में पहुंच जानी चाहिए, ऐसा न होने की दशा में ब्याज देने की बात करता है। मगर ब्याज तो छोड़िए यहां असल का ही पता नहीं है। प्रदेश में 1 करोड़ 50 लाख मनरेगा कार्ड धारक हैं और यदि एक परिवार में औसतन पांच लोग मान लिये जाये तो सरकार की इस संवेदनहीनता से कुल साढेघ सात करोड़ लोग प्रभावित हो रहे हैं।

कृषि मंत्री ने की विभागीय समीक्षा बैठक

संबंधित योजना अधिकारियों को दिए महत्त्वपूर्ण दिशा निर्देश

लखनऊ (आरएनएस)। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही जी द्वारा योजना भवन लखनऊ में कृषि विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, खेत तालाब योजना की प्रगति समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि अगले वित्तीय वर्ष की कार्य योजना अभी से बना लें। साथ ही किसान का चयन कर लें जैसे ही किसान का खेत अप्रैलध्मई के महीने में खाली होता है, तत्काल तालाब की खुदाई कार्य प्रारम्भ करें। भूमि संरक्षण अधिकारी उरई के कार्य समय से पूरा न करने पर कड़ी फटकार लगाई। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन योजना मे जिन जनपदों में मांग है उन उप कृषि निदेशक को तत्काल बजट का आवंटन कर दिया जाए। यंत्रों का सत्यापन समय से कर किसानों को अनुदान दिया जाएंस जिन जनपदों मे यंत्रों की ज्यादा मांग है उसके अनुसार उनका लक्ष्य निर्धारित कर किसानों को उपलब्ध कराये जाएं। सभी जनपदों से आगामी खरीफ की डिमांड एक सप्ताह में प्राप्त कर उसके अनुसार बीज का व्यवस्था कराई जाए। ओला एवं भारी वर्षा की वजह से फसल क्षति हुई है उसका समय से सर्वे करा कर बीमा कंपनी से किसानों को क्षति पूर्ति तत्काल दिलाई जाए। समीक्षा बैठक में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, अपर मुख्य सचिव कृषि डॉ. देवेश चतुर्वेदी, निदेशक कृषि डॉ. जितेन्द्र कुमार तोमर सहित सभी मण्डल के संयुक्त कृषि निदेशक गण, सभी जनपदों के उप कृषि निदेशक गण एवं कृषि विभाग के मुख्यालय के सभी योजना अधिकारी तथा अन्य सभी वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों को अपना गेहूँ बेचने के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण व नवीनीकरण कराना अनिवार्य

लखनऊ (आरएनएस)। रबी विपणन वर्ष 2024–25 में गेहूँ क्रय केन्द्रों पर किसानों को अपना गेहूँ बेचने के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल पर पंजीकरण व नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। यह पंजीकरण या नवीनीकरण किसान द्वारा स्वयं अथवा जनसूचना केन्द्र, साइबर कैफे, किसान मित्र एप के माध्यम से किया जा सकता है। किसान क्यू०आर० कोड के माध्यम से किसान मित्र एप डाउनलोड कर पंजीकरण या नवीनीकरण करा सकेंगे। क्रय केन्द्रों पर प्रदर्शित किये जाने वाले बैनर में क्यू०आर० कोड अंकित किया जायेगा। रबी विपणन वर्ष 2024–25 में न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना के अन्तर्गत गेहूँ विक्रय करने के लिए 01 जनवरी, 2024 से प्रदेश में किसान पंजीकरण व नवीनीकरण शुरू किया जा चुका है। खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार किसानों का पंजीकरण व नवीनीकरण, उनके भूलेख, आधार संख्या तथा पंजीकरण व नवीनीकरण के समय किसान द्वारा दर्ज मोबाइल नम्बर पर प्रेषित ओ०टी०पी० के आधार पर किया जायेगा। नामिनी व अन्य व्यवस्थाएं पिछले साल की तरह ही लागू रहेंगी। गेहूँ बेचने के लिए इच्छुक किसान खाद्य एवं रसद विभाग के टोल फ्री नम्बर, क्रय एजेन्सियों के क्रय केन्द्र प्रभारी, क्रय एजेन्सियों के जनपद व सम्भाग स्तर के अधिकारियों से दूरभाष पर सम्पर्क कर अथवा मिस्डकॉल करके भी अपना पंजीकरण व नवीनीकरण करा सकेंगे।

उप्र में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, भाजपा में शामिल हुए डा.राजेश मिश्रा

लखनऊ (आरएनएस)। कांग्रेस पार्टी इस समय बुरे दौर से गुजर रही है। ऐसे में लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी को उत्तर प्रदेश में बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और वाराणसी संसदीय सीट से सांसद रहे डा. राजेश मिश्रा ने मंगलवार को भाजपा का दामन थाम लिया। डा. राजेश मिश्रा को भाजपा केन्द्रीय कार्यालय में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह व पार्टी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई गयी।डा. राजेश मिश्रा के अचानक कांग्रेस छोड़कर चले जाने से कांग्रेसी खेमे में बेचौनी बढ़ गयी है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन है। सपा–कांग्रेस गठबंधन में वाराणसी संसदीय सीट कांग्रेस के खाते में गयी है। कांग्रेस वाराणसी संसदीय सीट से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने मजबूत प्रत्याशी उतारने की तैयारी में थी।ऐसे में राजेश मिश्रा के अचानक भाजपा में शामिल होने से कांग्रेस पार्टी की रणनीति को जबर्दस्त झटका लगा है। ऐसे में कांग्रेस को अब नये सिरे से चुनावी बिसात बिछानी पड़ेगी। क्योंकि कांग्रेस पार्टी वाराणसी संसदीय सीट से डा. राजेश मिश्रा को अपना उम्मीदवार बनाने की तैयारी में थी। पाला बदलने से डा.राजेश मिश्रा मोदी के सामने बलि का बकरा बनने से बच गये।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है दूसरे दलों के नेता मोदी के नेतृत्व में काम करने के लिए

आबकारी विभाग द्वारा आगरा, लखनऊ एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग

लखनऊ(आरएनएस)। आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में आबकारी विभाग लखनऊ द्वारा अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर पूर्ण अंकुश लगाये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत देर रात आबकारी विभाग द्वारा आगरा, लखनऊ एक्सप्रेस–वे टोल प्लाजा पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की गई तथा जिला आबकारी अधिकारी राकेश सिंह के नेतृत्व में आबकारी टीम द्वारा थाना गोसाईंगंज के अंतर्गत ग्राम–कबीरपुर, बस्तियां, रामपुर व महुराखुर्द के संदिग्ध स्थानों पर दबिश दी गई। दबिश के दौरान लगभग 30 किग्रा0 लहन तथा 10 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार करते हुए कुल 03 अभियोग पंजीकृत किये गये।

पीएमजीएसवाई के लाभार्थियों के सत्यापन हेतु विकसित किया गया फेस आथेन्टीकेशन आधारित ई-केवाईसी ऐप

लखनऊ (आरएनएस)।उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग किये जाने के दृष्टिगत लाभार्थियों के सत्यापन हेतु फेस आथेन्टीकेशन आधारित ई–केवाईसी ऐप विकसित किया गया है, जिसे योजना के एम.आई.एस. पर होस्ट करने के साथ ही आवास ऐप एवं यूआईडीएआई डेटा से भी लिंक किया गया है। आयुक्त, ग्राम्य विकास जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि इस ई–केवाईसी ऐप को भारत सरकार द्वारा दिनांक 01 जनवरी, 2024 से रोल आउट किया गया है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मनरेगा के क्रियान्वयन में पारदर्शिता पर दिया विशेष जोर

जनमनरेगा मोबाइल ऐप के रजिट्रेशन पर विभाग का जोर से मिलती है मनरेगा की पूरी जानकारी

लखनऊ (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मनरेगा के क्रियान्वयन में पारदर्शिता पर विशेष रूप से फोकस करने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि जाब कार्ड धारकों को मनरेगा में काम मांगने पर काम जरूर दिया जाय,और उनके पारिश्रमिक का भुगतान समय कराया जाए। महात्मा गांधी नरेगा न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों को न केवल रोजगार मिलता है, बल्कि ग्रामीण परिसम्पत्तियों का सृजन भी होता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने छप्ब् और इसरो की नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर के साथ मिलकर जियो मनरेगा के अंतर्गत जियो टैग परिसम्पत्तियों को एक जगह एकत्रित करके आसान तरीके से सामने लाने के लिए एक मोबाइल ऐप जनमनरेगा की संचरना की गई है। इस मोबाइल ऐप के जरिये देश व प्रदेश के किसी भी कोने में मनरेगा के अंतर्गत बनी परिसम्पत्तियों को देखा जा सकता है। सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा योजना को लगातार पारदर्शी बनाया जा रहा है। लोगों को जानकारियां पहुंचाने के लिए जनमनरेगा ऐप संचालित है। एप से कोई भी नागरिक काम की मांग, कार्यों की स्थिति, शिकायत, सुझाव दर्ज करने के साथ–साथ पूर्ण कार्यों की स्थिति देख सकता है। कोई भी नागरिक अपने स्मार्ट फोन पर यह एप्लीकेशन इंस्टॉल कर सकता है। जन मनरेगा मोबाइल ऐप को लॉन्च करने का मुख्य उद्देश्य कि जाब कार्ड धारकों को उनके घर के पास ही रोजगार उपलब्ध करवाना है, ताकि लाभार्थियों की आर्थिक स्थिति बेहतर बनाई जा सके। घर बैठे अपनी ग्राम पंचायत में मनरेगा की परिसंपत्तियों की जानकारी लेने के साथ ही अपना फीडबैक भी दे सकते हैं। आयुक्त, ग्राम्य विकास जी0एस0 प्रियदर्शी द्वारा बताया गया कि जनमनरेगा ऐप बहुत ही उपयोगी मोबाइल एप्लीकेशन है।

इससे ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले आम नागरिक घर बैठे मनरेगा के विषय में व मनरेगा की जियो टैग परिसंपत्तियों के विषय में आसानी से जानकारी प्राप्त कर सकते है, व अपनी प्रतिक्रिया भी व्यक्त कर सकते है।

परिवहन मंत्री ने विभागीय अधिकारियोंध्कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठक की

दयाशंकर सिंह ने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समय से पूरा करने के दिए निर्देश

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने आज परिवहन निगम के कार्यालय कक्ष में विभागीय अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ निर्माण कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक की। उन्होंने यूपीसीडको द्वारा निर्माण कार्यों में बरती जा रही शिथिलता पर रोश व्यक्त किया। सभी कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों की उपयोगिता प्रमाण पत्र तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। जनप्रतिनिधियों की मांग पर जहां–जहां जिला प्रशासन द्वारा भूमि उपलब्ध कराई गयी है। वहां निर्माण का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये। परिवहन मंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की मांग पर प्रकरण में कार्यवाही शीघ्रता से कराई जाए। उन्होंने देश के शहीदोंध्स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर बस अड्डों का नामांकन कराने की कार्यवाही शीघ्र कराने के निर्देश दिये। उन्होंने अयोध्या के मिल्कीपुर में बस स्टेशन हेतु जिला प्रशासन से निःशुल्क भूमि प्राप्त कर बस स्टेशन के निर्माण का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये हैं। परिवहन मंत्री ने सड़क सुरक्षा संबंधी निर्माण योजनाओं यथा ड्राइविंग ट्रेनिंग एण्ड टेस्टिंग इन्स्टीट्यूट, इन्सपेक्शन एण्ड सर्टिफिकेशन सेन्टर, ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक एवं इन्स्टीट्यूट ऑफ ड्राइवर ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च सेन्टर तथा सड़क सुरक्षा कोष के अंतर्गत

पूँजीगत मद में प्राविधानित बजट के सापेक्ष शासन द्वारा निर्गत की गयी वित्तीय स्वीकृतियों में से वर्तमान में संचालित निर्माण परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष निर्गत वित्तीय स्वीकृतियों का व्यय वित्तीय वर्ष के अंत तक अवश्य कर लें। कार्यदायी संस्थाओं से उपभोग प्रमाण पत्र प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिये। इसके साथ–साथ आईडीटीआर रायबरेली, डीटीटीआई अयोध्या तथा 13 स्क्रैपिंग सेंटर का लोकार्पण, 41 एटीएस, 36 स्क्रैपिंग सेंटर एवं 32 डीटीसी के शिलान्यास के कार्यक्रम 11 मार्च तक कराये जाने के निर्देश दिये। कार्यक्रम के दौरान प्रमुख सचिव परिवहन वेकटेश्वर लू, परिवहन आयुक्त चन्द्रभूषण सिंह, एमडी परिवहन निगम मासूम अली सरवर, विशेष सचिव के0पी0 सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हेलिओस म्युचुअल फण्ड ने लांच किया हेलिओस बैलेंस्ड एडवांटेज फण्ड'

लखनऊ(आरएनएस)। हेलिओस म्यूचुअल फंड ने एक ओपन–एंडेड डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड, हेलिओस बैलेंस्ड एडवांटेज फंड (बीएएफ) लॉन्च करने की घोषणा की है। एनएफओ अपना अंशदान 11 मार्च को प्रारम्भ करेगा और इसका समापन 20 मार्च को होगा। यह फंड इक्विटी के संभावित उतार–चढ़ाव का लाभ उठाने का उद्देश्य रखता है जबकि डायनामिक पोर्टफोलियो प्रबंधन के माध्यम से घाटो को सीमित करता है। इसे इक्विटी और इक्विटी संबंधित इन्स्ट्रुमेंट में निवेश करके और डेब्ट, मनी मार्केट इन्स्ट्रुमेंट और डेरिवेटिव का सक्रिय उपयोग करके किया जाएगा। इक्विटी पोर्टफोलियो का निर्माण हेलिओस के इलिमिनेशन इन्वेस्टिंग (ईआई) फिलॉसोफी पर आधारित होगा, जो आठ तरह के मूलभूत स्क्रीनिंग कारकों के आधार पर होगा। यह कारक लगातार प्रभावशाली तरीके से कमजोर कारकों को हटाने, नए विजेताओं को लाने, और बिना जोखिम के अच्छे परिणाम लाने में योगदान करता है। निवेश पद्धति, इक्विटी और इक्विटी संबंधित अनवृत्ति को 65 प्रतिशत से 100 प्रतिशत के बीच रखना और कुल इक्विटि अनावृत्ति को 30 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक रखना होगा। कई डेरिवेटिव स्ट्रैटेजीज का भी इस्तेमाल होगा ताकि बाजार की प्रतिकूल परिस्थितियों से बचाव किया जा सके।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 06 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

इण्टरनेशनल ओलम्पियाड में सी. एम.एस. छात्रा को प्रथम पुरस्कार

लखनऊ, 5 मार्च। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज द्वितीय कैम्पस की कक्षा–2 की मेधावी छात्रा अर्शिका मिश्रा ने इण्टरनेशनल जनरल नॉलेज ओलम्पियाड में प्रथम पुरस्कार अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। ओलम्पियाड का आयोजन साइन्स ओलम्पियाड फाउण्डेशन, नई दिल्ली के तत्वावधान में हुआ। इस जनरल नॉलेज ओलम्पियाड में भारत समेत कई देशों के छात्रों ने प्रतिभाग किया एवं कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. की इस प्रतिभाशाली छात्रा ने विभिन्न विषयों के उत्कृष्ट ज्ञान, देश–दुनिया की नवीनतम जानकारियों, तार्किक क्षमता एवं मेधात्व का शानदार उदाहरण प्रस्तुत करते हुए प्रथम पुरस्कार अर्जित कर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। इस उपलब्धि हेतु अर्शिका को मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस प्रतिभाशाली छात्रा के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

सी.एम.एस. सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से अपने छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखारने एवं जीवन में आगे ही आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित करता रहता है, जिसके फलस्वरूप सी.एम.एस. के मेधावी छात्र विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अधिकाधिक पुरस्कार अर्जित कर प्रदेश व देश का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं।

नगर पंचायत के पार्षदों ने कार्यालय पर बैठकर शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया

झांसी! नगर पंचायत बड़ागांव में सभी पार्षद ने मिलकर अध्यक्ष और अधिशासी अधिकारी के प्रति असंतुष्ट व्यवहार के चलते बिना बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव डालें अपनी मनमर्जी के चलते कार्य योजना पास कर लेते हैं और अपने चाहते ठेकेदारों को काम बांट देते हैं और अन्य काम में बाधकता जताते हुए पार्षदों के विकास कार्यों में अलडगा लगते हैं जिससे नगर का विकास अवरोध पड़ा

हुआ है और जनता में पार्षदों के खिलाफ आक्रोश है जिसके चलते नगर के सभी पार्षद एकजुट होकर नगर पंचायत के कार्यालय के मेन गेट पर बैठकर शांतिपूर्ण तरीके से धरना दिया जिसमें सभी पार्षद लगभग 11रू00 बजे से भूखे प्यासे बैठे रहे और नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी व और नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि का कोई लिखित में उत्तर नहीं आया !कार्यालय का समय पूर्ण होने पर अधिकारी महोदय से जब बात हुई तो उन्होंने कहा कि यदि अध्यक्ष जी चाहे तो यह ठेका कैंसिल भी हो सकते हैं लेकिन अध्यक्ष जी के प्रतिनिधि सभी पार्षदों की बात सुनने को तैयार ही नहीं हुए और वहां से सभी पार्षदों के ऊपर हंसते हुए चले गए ! जिससे नगर के सभी पार्षद में असंतुष्ट का माहौल बना हुआ है

समय पर प्रबंधन से बचाई जा सकती हैं आधी मातृ मृत्य- डॉ दिव्या जैन

झांसी! राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा मण्डलीय ईको कॉन्फ्रेंस के माध्यम से 'हाई रिस्क प्रेग्नेन्सी मैनेजमेंट एंड रेफरल' विषय पर मण्डल के सभी प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात चिकित्साधिकारियों से संवाद हेतु वर्चुअल सेमिनार का आयोजन किया गयासेमिनार में विषय विशेषज्ञ के रूप में मुख्य वक्ता एम.एल. बी. मेडिकल की एशोसियेट प्रोफेसर डा. दिव्या जैन ने हाई रिस्क प्रेग्नेन्सी पर विस्तार से व्याख्यान दिया. उन्होंने बताया कि यदि समय से हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान, प्रबंधन एवं रेफरल किया जाये तो वर्तमान मातृ–मृत्यु की दर को आसानी से आधा किया जा सकता है। उन्होंने अपने अनुभवों को सांझा करते हुये कहा कि मेडिकल कालजे में पहुँचने वाली गर्भवती महिलाएँ अन्तिम समय में इस स्थिति में पहुँचती है कि उनकी जान बचाया जाना कठिन हो जाता है। यदि निचली स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों पर हाई रिस्क प्रेग्नेन्सी की सही पहचान तथा रेफर करते समय आवश्यक औषधीय प्रबंधन कर दिया जाये तो मातृ मृत्यु को कम किया जाना आसान होगा डा. दिव्या ने चिकित्साधिकरियों को समझाते हुये बताया कि अधिक रक्त स्त्राव की दशा में मरीज को मानक के अनुरूप आई.वी. फ्लूड दिया जाये तो मरीज उच्च चिकित्सा संस्थान तक सही स्थिति में पहुँचेगा और उसे आगे की आवश्यक सेवाएँ मिल सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि मरीज को एम्बुलेन्स में लाने के दौरान रास्ते में उसका चिकित्सकीय प्रबंधन बहुत जरूरी है इसके लिये पी.एच.सी.ध्सी.एच.सी. के चिकित्साधिकारी संबंधित स्टाफ को आवश्यक मार्गदर्श दें

आचार्य स्वामी सच्चिदानंद का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया गया

झांसी! श्री चित्रगुप्त पीठ वृन्दावनधाम, के महामण्डलेश्वर आचार्य

स्वामी सच्चिदानंद पशुपति जी के झांसी आगमन पर समाज के प्रबुद्धजनों द्वारा शाल, श्रीफल, माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया गया।

आचार्य सच्चिदानन्द जी ने अपने उद्बोधन में अवगत कराया कि वृन्दावनधाम में सबसे विशाल भगवान श्री चित्रगुप्त जी का मन्दिर निर्माण किया जा रहा है जिसका भूमि पूजन सम्पन्न किया जा चुका है। मन्दिर में सभी धर्मों के श्रद्धालु पूजा अर्चन कर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे। परिसर में ही वृद्धाश्रम, शिक्षण संस्थान स्थापित किया गया है, तथा शीघ्र ही वृहद स्तर पर धर्मशाला भी निर्मित की जायेंगी। आचार्य जी ने कहा उनका उद्देश्य पूरे भारतवर्ष में भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा आयोजित कर सभी धर्मों में श्री चित्रगुप्त जी के अवतरण के उद्देश्य, प्रत्येक जीव के उनके कर्मों का लेखा जोखा आदि क्रियाकलापों को जन–जन तक पहुंचाना है। उक्त अवसर पर श्री चित्रगुप्त पीठ के भजन सम्राट विकल्प खरे, बुन्देलखण्ड प्रान्त प्रमुख प्रशान्त सक्सेना, अ.भा.कायस्थ महासभा उ. प्र. मध्यांचल के प्रान्तीय मंत्री आनन्द कुमार सक्सेना, प्रवक्ता एड. अजय कुमार सक्सेना, राघवेन्द्र खरे, डॉ अंजनी श्रीवास्तव, सुरेन्द्र सक्सेना, कपिल खरे, सुधीर सक्सेना एवं अवध श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

दुरखुरू में झांसी कैथोलिक सेवा समाज के तत्वाधान में पावर परियोजना का हुआ उद्घाटन

झांसी! गरौठा के ग्राम दुरखुरू में ग्राम पंचायत सचिवालय परिसर में झांसी कैथोलिक सेवा समाज के तत्वाधान में पावर परियोजना का

उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बाद उच्च प्राथमिक विद्यालय के छात्रध छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए सुंदर प्रस्तुतियां दी गई जिसकी लोगों ने तालियां बजाकर खूब सराहना की। इस मौके पर संस्था के उप डायरेक्टर मुकेश फादर ने बताया की झांसी कैथोलिक सेवा समाज द्वारा पिछले कई वर्षों से ग्रामीण अंचल की महिलाओं एवं किशोरियों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया जा रहा है। संस्था का प्रयास है की ग्रामीण क्षेत्रों में रह रही महिलाओं, किशोरियों और बच्चों को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया जाए।कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अशोक कुमार, जेयोराम लकरा आदि ने भी अपने विचार रखे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली छात्रध छात्राओं को संस्था द्वारा प्रोत्साहन राशि देकर पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन परियोजना समन्वयक रोहिणी देवी ने किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेंद्र अहिरवार, ब्रदर बरथो, रचना देवी,मालती देवी,आंगनवाड़ी उमा,सहयोगी अमन बौद्ध ,रवि कुमार,रोशनी देवी,दीपा कुमारी सहित बड़ी संख्या में गांव की महिलाएं, किशोरियाँ व ग्रामवासी मौजूद उपस्थित रहे

बी आई ई टी में हुआ स्मार्ट निवेशक जागरुकता कार्यक्रम

झांसी! बुंदेलखंड अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आज संस्थान के निदेशक प्रो दीपेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में स्मार्ट इंवेस्टर अवेयरनेस प्रोग्राम के अंतर्गत फाइनेंस एजुकेशन, इन्वेस्टमेंट और म्यूचुअल फंड जैसे विषयों पर ऑनलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। जूम मीटिंग के माध्यम से छात्र, स्टार्टअप्स एवम संकाय सदस्य जुड़े । कृषा फाउंडेशन से आमंत्रित वक्ता डॉ हिरल पाठक ने उपस्थित प्रतिभागियों को निवेश, म्युचुअल फंड एवम विभिन्न विषयों से अवगत कराया। साथ ही उन्होंने छात्रों को फाइनेंस मैनेजमेंट का मंत्र बताया। हिरल वर्तमान में सेबी में स्मार्ट ट्रेनर के तौर पर कार्यरत हैं एवम उनका फाइनेंस व मैनेजमेंट के क्षेत्र में काफी अनुभव है। बी आई आई सी एफ की निदेशक प्रो डॉ शहनाज अयूब भी वेबिनार में उपस्थित रहीं।

उन्होंने दोहराया की ऐसे विषयों की जानकारी होना एक विद्यार्थी के लिए कितना समसामयिक एवम महत्वपूर्ण है। वेबीनार में कुछ स्टार्ट अप भी उपस्थित थे, जिनमें संकेत कुमार, संजय दीक्षित, अमित गुप्ता, आकाश व अनिल मौजूद रहे। कार्यक्रम में अंकित शुक्ला ऋतु, विशेष, सिद्धांत, वंश, प्रखर, वाशु आदि उपस्थित रहे।

मजलिस का बड़ा करवा एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने ली पार्टी की सदस्यता

झांसी! ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लमीन AIMIM पार्टी का कारवां इन दिनों बढ़ता चला जा रहा है बुंदेलखंड अध्यक्ष हाजी सैयद सादिक अली के आदेश अनुसार झांसी जिला अध्यक्ष रईस अहमद की अध्यक्षता में आज नए सदस्यों को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता दिलाई इसके अलावा कुछ सदस्यों को जिले के विभिन्न पदों पर जिम्मेदारियां भी दी गई जिनमें मुख्य तौर पर 'नदीम रजा को झांसी विधानसभा अध्यक्ष,मो.इकबाल(मोंठ) को जिलाउपाध्यक्ष, राजू कुरैशी को जिला सचिव, इमरान खान(मनीष)को जिला कोषअध्यक्ष, तालिब मकरानी को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया

इन सब के अलावा जिन सदस्यों को सदस्यता दिलाई गई उनमें मुख्य रूप से सय्यद अतहर अली वा उनके सारे साथी मोहम्मद इकबाल,वसीम अली, अरमान अली, मोहम्मद जफर ,मोहम्मद कामिल, असद,वसीम अंसारी, अरसलन,राजू कुरैशी,मोहम्मद कामरान सिद्दीकी,नदीम राजा,मोहम्मद नईम,आदि लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की इस मौके पर बुंदेलखंड अध्यक्ष हाजी सैयद सादिक अली ने सभी को हर फूल माला पहनकर इन सभी लोगों के उज्जवल भविष्य की कामना की वहीं इस बात की उम्मीद जताई के इन सभी नए सदस्यों के द्वारा पार्टी के हित में कार्य किए जाएंगे और पार्टी को आगे बढ़ने का प्रयास किया जाएगा इस मौके पर जिला अध्यक्ष रईस अहमद खान ने बताया कि आगे भी नए सदस्यों को जोड़ने का सिलसिला जारी रहेगा ईसी क्रम में बुंदेलखंड महासचिव पद पर सोहेल अहमद खान को नियुक्त किया गया इस अवसर पर 'बुंदेलखंड सचिव सादिक बरकाती,प्रदेश संयुक्त सचिव मो.फुरकान,महानगर अध्यक्ष बबलू आजाद नफीस भाई बुंदेलखंड सचिव,कलाम कुरैशी,वसीम गाजी,शरीफ भाई, राजकुमार आदि मौजूद रहे

किसानों की समस्याओं को लेकर भाकियू ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

लईक सैफी टाण्डा जिला रामपुर।भारतीय किसान यूनियन ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एसडीएम अनुराग सिंह को ज्ञापन सौंपा।समस्याओं का समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। ज्ञापन में कहा गया है कि बेमौसम बारिश एवं तेज हवाओं के चलते खराब हुई गेहूं की फसल का लेखपालों के जरिए मौका मुआयना एवं आकलन कराकर शीघ्र किसानों को नुकसान का मुआवजा दिलाया जाए। छुट्टा एवं आवारा पशुओं को पकड़वाकर नजदीकी गौशाला में भिजवाया जाए। ज्ञापन में आगे कहा गया है कि किसानों ने अपने खेतों में जो गाना लगवाया था वह बीमारी के कारण खेत में खड़े–खड़े सूख गया। इसके अलावा आलू, मटर व सरसों की खेती को आवारा पशु खा रहे हैं। इन हालात में किसानों को साटा धान लगाने की अनुमति दी जाए। किसानों पर कर्ज की वसूली को फसल आने तक स्थगित किया जाए।चेतावनी दी गयी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा।इस अवसर पर भाकियू के जिला सचिव साबिर अली,नगर अध्यक्ष मजहर अली उर्फ लाला,बलजीत सिंह, फारूक अली, मुरारी पूरन सिंह चौहान,राजपाल सिंह, राजकुमार,निशान सिंह, मारूफ अली, राजाराम, प्रताप सिंह, जावेद, विपिन राजा, हीरा सिंह, नगर अध्यक्ष मजहर अली उर्फ लाला, रोहतास सिंह, आदि कार्य कर्ता मौजूद रहे।

जच्चा बच्चा को स्वस्थ रखने के लिए दिया प्रशिक्षण

जौनपुर । आकांक्षात्मक विकासखंड कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम पंक्ति के कार्यकर्ताओं का चार दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर पर किया गया। इसमें एएनएम, आशा और आशा संगिनी को माँ और शिशु मृत्यु दर को कम करना व जच्चा बच्चा को स्वस्थ रखने के लिए प्रशिक्षण के माध्यम से गर्भवती महिलाओं की अति शीघ्र पहचान कर उनका पंजीकरण करते हुए टीकाकरण कराना, गर्भावस्था के दौरान कम से कम चार स्वास्थ्य जांच करना जेंडर भेदभाव को खत्म करना, बर्थ प्लान तैयार करना, स्तनपान कराने के बारे में कम वजन के जन्मे बच्चों की देखभाल बच्चों के टीकाकरण एनेमिक महिलाओं की पहचान करना और उनका प्रबंधन करना आदि के विषय में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर लक्ष्मी सिंह ने बतायीएम वीरेंद्र कुमार, बीएमसी जयसिंह यादव उपस्थित थे।

व्यक्तित्व की समझ से बढ़ता है सामंजस्य – डा. आलोक

-व्यक्तित्व विकार है क्लेश का आधार, शक्की व्यक्तित्व होता है उभय संतापी।

अयोध्या। व्यक्तित्व विकार वह मानसिक प्रक्रिया है जो विचारों,भावनाओं व व्यवहार को दुष्प्रभावित तो करता ही जिससे क्लेशपूर्ण माहौल के साथ ही आगे चलकर मनोरोग का रूप भी ले सकता है ।इन विकारों में चिंतालु व्यक्तित्व विकार गंभीर श्रेणी में आता है क्योंकि ऐसा व्यक्ति हर वक्त अनावश्यक तनाव पैदा करने वाले विचारों से घिरा रहने के कारण चिंतित व तनावग्रस्त रहता है जिससे आगे चलकर डिप्रेशन का शिकार भी हो सकता है । दूसरा गंभीर पर्सनालिटी डिसऑर्डर है शंकालु व्यक्तित्व । इसमें व्यक्ति लगातार काल्पनिक डर या भय के विचारों से घिरा रहता है तथा अपने करीबी व प्रियजनों पर भी शक वहम करने लगता है । ऐसा व्यक्ति परिवार व समाज से कटने लगता है और धीरे धीरे पूर्ण शक्की व झक्की हो सकता जो आत्म संताप व परसंताप का कारण बनता है जिसे उभय संतापी व्यक्तित्व विकार कहा जाता है। व्यक्तित्व विकारों के शुरुवाती लक्षण किशोर व युवा उम्र में ही दिखायी पड़ने लगते हैं, पर जागरूकता की कमी व स्वीकार्यता की कमी के कारण समय के साथ इसके मनोरोग में बदलने की संभावना हो जाती है । यह बातें भवदीय पब्लिक स्कूल के शिक्षक प्रशिक्षण सत्र में आयोजित पर्सनालिटी टाइप एंड कोपिंग मैकेनिज्म विषयक संगोष्ठी में डा आलोक मनदर्शन ने कही ।

अनावश्यक व बार बार चिन्ता , शक या डर महसूस होने पर मनोपरामर्श अवश्य लें। अतिनिद्रा या अनिद्रा, भूख में उतार चढ़ाव, असामान्य दिल की धड़कन ,पेट का ठीक न रहना , सर दर्द, थकान, चिड़चिड़ापन,अतिक्रोध,आत्मघाती या परघाती विचार जैसे लक्षण भी दिख सकतें है। स्वस्थ, मनोरंजक व रचनात्मक गतिविधियों तथा फल व सब्जियों के सेवन को बढ़ावा देते हुए योग व व्यायाम को दिनचर्या में शामिल कर आठ घन्टे की गहरी नींद अवश्य लें । इस जीवन शैली से मस्तिष्क में हैप्पी हार्मोन सेरोटोनिन, डोपामिन व एंडोर्फिन का संचार होता है जिससे

संदिग्ध परिस्थितियों में 42 वर्षीय निराश्रित महिला की मौत

-शरीर पर कई जगह है चोट के निशान
-परिजनों से शुरू की पुलिस ने पूछतांछ

मिल्कीपुर –अयोध्या। मिल्कीपुर के खण्डासा थाना क्षेत्र के गद्दोपुर गदुरही बाजार में 42 वर्षीय निराश्रित महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजन पहले बगैर पुलिस को सूचना दिए ही अंतिम संस्कार करने का प्लान बना रहे थे। तभी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। सूचना पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार यादव, उप निरीक्षक राहुल कुमार यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका के बेटे गुड्डू ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया है कि रात में घर के बाहर दरवाजे पर लहूलुहान हालत में उसकी मां पड़ी हुई थी सिर पैर और हाथ में चोट के गंभीर निशान थे। उपचार के लिए सीएचसी मिल्कीपुर उपचार ले गए जहां पर डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया था ,जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। परिजन शव लेकर गांव पहुंचे और बिना पुलिस को सूचना दिए अंतिम संस्कार करने की तैयारी करने लगे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि गद्दोपुर रामकेश मौर्य ने मामले की सूचना खंडासा पुलिस को दी जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने पहुंच कर शव को कब्जे में ले लिया वहीं परिजनों का कहना है कि मृतक रघुराजी पत्नी धर्मराज व उसके बेटे गुड्डू का मोबाइल फोन घटना के बाद से लापता है ,संभावना व्यक्त की जा रही है कि लापता मोबाइल फोन में ही घटना की कड़ी बन सकते हैं।ग्रामीणों के अनुसार मृतका के दो पुत्र व चार पुत्रियाँ हैं, उसके पति धर्मराज की 4 वर्ष पहले मौत हो चुकी है। मृतका छोटा बेटा अरून गुजरात के अहमदाबाद शहर में मेहनत मजदूरी करता है वहीं बड़ा बेटा गुड्डू घर पर ही रहता है।

भाजपा प्रत्याषी कृपा शंकर का भव्य स्वागत

जौनपुर। लोकसभा जौनपुर के भाजपा प्रत्याषी कृपाशंकर सिंह संकटमोचन मे दर्शन कर वाराणसी से सड़क मार्ग से चलकर जौनपुर के लिए चले सर्वप्रथम हजारों की संख्या मे भाजपा कार्यकर्ता और उनके समर्थक अमूल फैक्ट्री के सामने पहुंचकर उनका भव्य स्वागत किये । उनका काफिला जब जलालपुर पहुंचा तो सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया । उसके उपरांत उनका काफिला चौकिया पहुंचा जहां पर उन्होंने माँ शीतला जी का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया उसके उपरान्त उन्होंने भंडारी स्टेशन से कोतवाली चहारसु चौराहा जेसीज चौराहा से होते हुये भूपतपट्टी स्थित केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर पहुँचे जहां पर कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह द्वारा अंग वस्त्र और स्मृति देकर स्वागत किया । प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ताओं के बल पर और देव तुल्य जनता के विश्वास पर एक बार फिर नरेन्द्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनायेंगे। उसके लिये घर घर से प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख, पार्टी की रीतिनीति सरकार के किये गये विकास कार्यों के पत्रकों को देकर भाजपा को विजयी बनाने के लिये कार्य करेंगे, कहा कि अबकी बार फिर तीसरी बार मोदी को प्रधानमंत्री और अपने इस सेवक को सांसद बनाये। राजमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भी जनता को विकास की गारंटी दी है जो की जनता के बीच विश्वास के भाव को दर्शाती है

अयोध्या से शुरू होगी इंडिया गठबंधन के जीत की शुरुआत अवधेश प्रसाद

-यूपी की सभी 80 सीटों पर इंडिया गठबंधन का प्रत्याशी होगा विजयी

अयोध्या के गुलाबबाड़ी स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर आज सपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत– सम्मान कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे अयोध्या फैजाबाद लोकसभा सीट से इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि रामनगरी अयोध्या से ही इंडिया गठबंधन की जीत की शुरुआत होगी और उत्तर प्रदेश के सभी 80 सीटों पर इंडिया गठबंधन का ही प्रत्याशी जीतेगा। इस मौके पर उन्होंने केंद्र व प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना भी साधा।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकार की जन विरोधी नीतियों के कारण किसान,नौजवान,बेरोजगार, महिलाएं सभी वर्ग परेशान है। आज जनता उम्मीद भरी निगाहों से अखिलेश यादव की तरफ देख रही है। आपको बता दें की हाल ही में समाजवादी पार्टी ने अयोध्या जनपद से सूरज चौधरी,साहबलाल यादव,शाहिद हुसैन रिजवान रसूल,लाल देव चौरसिया को सपा का प्रदेश सचिव मोहम्मद आकिब खान को जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। वही जनपद के फायर ब्रांड नेताओं में शुमार जिला पंचायत सदस्य राजा मानसिंह को समाजवादी पार्टी ने युवजन सभा का राष्ट्रीय सचिव बनाया है। इन सभी नेताओं को फूल माला पहनकर इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने सम्मानित किया। इस मौके पर सपा के जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव छोटे लाल यादव,सरोज यादव,जय सिंह राणा, राम जी पाल सहित बड़ी संख्या में सपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुस्कान पुनर्वास केंद्र के यह बच्चे कमाल के

अयोध्या। कौन कहता है कि हम दिव्यांग हैं, हम किसी से कम नहीं माना कि हम सुन नहीं सकते,आप की तरह बोल नहीं सकते किंतु भावनाएं तो हमारे अंदर भी हैं रुचि तो हम भी रख सकते हैं। आपका प्यार आपका दुलार तो हमें भी चाहिए हम क्या नहीं कर सकते हैं आप केवल हमारी थोड़ी सी मदद करें ,हमें प्रोत्साहित करें,हमें रास्ता दिखाएं। अवसर था नदी महोत्सव का स्थान था माँ सरयू का किनारा और कार्यक्रम प्रस्तुत कर रहे थे मुस्कान पुनर्वास केंद्र के यह मूक बधिर बच्चे। इस अवसर पर मूक बधिर बच्चों द्वारा प्रस्तुत देश भक्ति गीत जलवा जलवा लोगों के अंदर देशभक्ति का जज्बा पैदा कर गया लोगों ने तालियो के गड़गड़ाहट से अपनी खुशी व्यक्त की। वहीं दोनों पैरों से दिव्यांग बालिका वंदना पांडे एवं वाणी शुक्ला ने दिखा दिया कि पैर नहीं तो क्या ईश्वर ने दोनों हाथ तो दिए हैं हम उनके सहारे नृत्य करेंगी। बच्चों के अंदर कमाल का उत्साह था। नन्हा बालक समर वर्मा मूक बधिर था किंतु उसने भी माइकल जैक्सन को नृत्य में पीछे छोड़ दिया। यही सफर समाप्त नहीं हुआ स्लो लर्नर वैष्णवी द्वारा "तू गंगा मां है " पर कमाल का सोलो नृत्य प्रस्तुत किया गया। वहीं ना सुनते हुए भी मूकबधिर बालिकाओं द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई जिसमें मुख्य रूप से रिया मिश्रा ,चांदनी वर्मा ,तनुजा यादव, परी और रिमझिम ने भाग लिया। आश्चर्य तो तब हुआ जब शिव तांडव स्त्रोत पर मूकबधिर बच्चों द्वारा एक के बाद एक लगातार 6 पिरामिड बना कर देश का तिरंगा लहराया। बच्चो ने ना बोलते हुए भी "नमामि गंगे" पर नाटक प्रस्तुत किया जिसमें बच्चों ने दिखाया कि किस प्रकार हम अपनी पुण्यदायी नदियों को स्वच्छ रख सकते हैं। उन्होंने दर्शकों एवं समाज से अपील की की इसमें साबुन लगाकर ना नहाए ,कूड़ा ना फेके, मूर्ति विसर्जन ना करें ,मल मूत्र ना फेके जिससे हमारी नदिया स्वच्छ रहे। मुस्कान के मूक बधिर बच्चों ने कला प्रतियोगिता में भी भाग लेकर नदी की स्वच्छता पर ध्यान आकर्षित किया। उक्त शानदार कार्यक्रम जिला गंगा समिति की परियोजना अधिकरण श्वेता साहू द्वारा आयोजित किया गया था जिसमें मुस्कान पुनर्वास केंद्र के बच्चों को कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया गया था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 06 मार्च 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

ये आंकड़े चुनावी हैं?

उल्लेखनीय है कि दो वर्ष बाद आंकड़ों में संशोधन किया गया है। तो प्रश्न है कि क्या अब बताए गए आंकड़े अंतिम हैं? या आम चुनाव के माहौल में सुर्खियां बटोर लेने के बाद इनमें भी परिवर्तन किया जाएगा? राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने आर्थिक वृद्धि संबंधी आंकड़ों में कई संशोधन किए और नतीजा हुआ कि भारत के 2023–24 के आंकड़ों में चमत्कारिक वृद्धि हो गई। पिछले महीने एनएसओ ने यह वृद्धि दर 7.3 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। अब इसे बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया गया है। बताया गया कि वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में यह दर 8.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था में अनुमानित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) को बढ़ा कर 6.9 प्रतिशत पर रखा गया है।

तो यह देखना दिलचस्प होगा कि आखिर बाकी संशोधन किस आधार पर किए गए। एनएसओ ने 2022–23 में दर्ज हुई जीडीपी वृद्धि दर को घटाकर अब 7.2 से 7 प्रतिशत कर दिया है। जाहिर है, जब आधार नीचे हुआ, तो इस वर्ष की वृद्धि दर ऊंची हो गई। वैसे संशोधन 2021–22 (कोरोना महामारी के ठीक बाद वाले साल) के आंकड़ों में भी किया गया, जिसे अब 9.1 से बढ़ाकर 9.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तो चूंकि वह आधार ऊंचा हुआ, तो अगले वर्ष की वृद्धि दर गिर गई।

उधर पिछले वित्त वर्ष के बारे में बताया गया था कि जीवीए वृद्धि 7 प्रतिशत रही। लेकिन अब इसे घटा कर 6.7 प्रतिशत कर दिया गया है। तो यहां भी आधार नीचे हुआ। उससे चालू वित्त वर्ष का अनुमान ऊंचा हो गया। उल्लेखनीय है कि दो वर्ष बाद आंकड़ों में संशोधन किया गया है। तो प्रश्न है कि क्या अब बताए गए आंकड़े अंतिम हैं? या आम चुनाव के माहौल में सुर्खियां बटोर लेने के बाद इनमें भी परिवर्तन किया जाएगा?

यह देखकर कहानी कुछ और रहस्यमय हो जाती है कि एनएसओ ने चालू वित्त वर्ष में निजी उपभोग में अब सिर्फ तीन प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान लगाया है, जबकि जनवरी में जारी आंकड़ों में इसके 4.4 प्रतिशत रहने का अंदाजा लगाया गया था। उधर कृषि क्षेत्र के जीवीए में 0.8 फीसदी की गिरावट आने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पूरे वर्ष में महज 0.7 प्रतिशत वृद्धि की बात कही गई है। फिर भी संभवतरू कुछ चुने हुए आंकड़ों के आधार पर खुशहाली की कहानी बुनी गई है।

कांग्रेस में सीटिंग गेटिंग का फार्मूला

एक तरफ जहां भारतीय जनता पार्टी थोक के भाव सांसदों की टिकट काटने जा रही है तो दूसरी ओर कांग्रेस यथास्थिति रखने वाली है। पार्टी के जानकार सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस इस बार शायद की किसी सांसद की टिकट काटेगी। राज्यों से भी सभी मौजूदा सांसदों के नाम की सिफारिश की जा रही है। कांग्रेस के साथ मुश्किल यह है कि उत्तर भारत के राज्यों में उसके गिनती के सांसद हैं।

उनमें से भी झारखंड की सिंहभूम सीट से जीती कांग्रेस की सांसद गीता कोड़ा भाजपा में चली गई हैं तो उत्तर प्रदेश की रायबरेली सीट से जीतीं सोनिया गांधी चुनाव नहीं लड़ेंगी। वे राज्यसभा में चली गई हैं। इसलिए इन दो सीटों पर नए उम्मीदवार देने होंगे। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के नकुलनाथ इकलौते सांसद हैं, जो छिंदवाड़ा से जीते थे। वे इस बार भी लड़ेंगे और छत्तीसगढ़ के दोनों सांसदों– कोरबा की ज्योत्सना चरणदास महंत और बस्तर के दीपक बैज को फिर से टिकट मिलेगी।

कर्नाटक में कांग्रेस सिर्फ एक बेंगलुरू ग्रामीण सीट से जीती थी। उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश उस सीट से सांसद हैं और फिर से उनको ही इस सीट पर लडना है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 19 सीटें जीती थीं, जिसमें 15 सीटें कांग्रेस की थी। इस बार केरल प्रदेश कमेटी ने सभी 15 मौजूदा सांसदों को फिर से टिकट देने का प्रस्ताव पार्टी आलाकमान को भेजा है। इसमें राहुल गांधी की वायनाड सीट भी है।

तेलंगाना में कांग्रेस तीन सीटों पर जीती थी। रेवंत रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने और एन उत्तम कुमार रेड्डी के मंत्री बनने से दो सीटें खाली हुई हैं। वहां नए उम्मीदवार होंगे लेकिन तमिलनाडु में सभी नौ सांसदों को रिपीट किए जाने की खबर है। बिहार में कांग्रेस एकमात्र किशनगंज सीट जीती थी, जहां से मौजूदा सांसद मोहम्मद जावेद को फिर से टिकट मिलेगी। पश्चिम बंगाल की दोनों सीटों– बहरामपुर और माल्दा दक्षिण पर मौजूदा सांसद– अधीर रंजन चौधरी और अबू हाशिम खां चौधरी ही चुनाव लड़ेंगे।

गडकरी अच्छे या मोदी?

जवाब व्यक्ति की सत्यवादी बनाम अंधविश्वासी मनोदशा में होगा। हम हिंदू अंधविश्वासी हैं। अवतार में विश्वास रखते हैं। इलहाल और झूठ में जीते हैं। इसलिए प्रोपेगेंडा के दस साला महाअभियान में डूबे असंख्य लोग मोदी को निरूस्वार्थी लोक सेवक, व्रत–उपवास रखने वाला धार्मिक तथा कर्मयोगी भगवान समझते हैं।मगर मनुष्यता की कसौटी में सत्य से जीने वाले समझदारों में यदि जन सर्वेक्षण हो, भाजपा–संघ के भीतर भी सर्वे हो तो नतीजा क्या होगा? मेरा मानना है गडकरी जीतेंगे, मोदी हारेंगे। इसलिए क्योंकि मेरी धारणा है इंसान अंततरू अच्छाई का आकांक्षी है। और प्रमाण में इतिहास है तो मोदी की इमेज में विश्व मीडिया का आईना है। सनातन धर्म का भी शाश्वत सत्य है कि मर्यादा का मान है, राम की पूजा है। जबकि अहंकार और रावण अमान्य हैं। ध्यान रहे राम–रावण की कथा हम हिंदुओं की ही है।मेरा दो व्यक्तियों के सवाल में इतना पीछे जाना इसलिए जरूरी है क्योंकि 140 करोड़ लोगों का देश इस वक्त ऐसा बंटा हुआ है कि झूठ को सत्य मानते हैं और सत्य को झूठ। बहुत ही मुश्किल है। मैं पहले भी लिखता रहा हूं कि आज की राजनीति नेहरू, नरसिंह राव, वाजपेयी, मनमोहन सिंह को कितना ही खारिज करे लेकिन आजाद भारत के इतिहास में ये सहज–सरल–मर्यादित राजनीति के अच्छे चेहरे थे और हमेशा रहेंगे। सो, कसौटी अच्छा होना और भलेपन की है। अहंकार और झूठ से न नेता की पुण्यता टिकाऊ होती है और न नस्ल और देश का भला होता है। दरअसल इस सप्ताह की घटनाओं से मेरा ध्यान चेहरों पर हुआ। हिमाचल, यूपी, कर्नाटक में दलबदल, गुजरात से लेकर झारखंड में नेताओं की खरीद फरोख्त और भाजपा के टिकटों की चर्चा में बहुत कुछ सुना। नितिन गडकरी, प्रतिभा सिंह, मधु व गीता कोड़ा, डीके शिवकुमार पर सोशल मीडिया के हेडिंग और कवर दिखे तो नरेंद्र मोदी श्द डिक्टेटरश्य वीडियो की लोकप्रियता के आंकड़े मालूम हुए। पर फिर सवाल था कि लोकसभा चुनाव से ठीक पहले यह सब देख, जान लोग क्या अच्छे–बुरे का फैसला करने में समर्थ हैं?

मैं दिन में फोन पर सोशल मीडिया, यूट्यूब को मुश्किल से पांच–सात मिनट देता हूं। स्क्रॉल करते हुए हेडिंग, कवर देखता हूं। इस सप्ताह मोदी पुराण के एक्सट्रीम के बीच में नितिन गडकरी पर भी चर्चा दिखी। कैसी हैरानी की बात है जो 2014 में सरकार बनने से लेकर आज तक नरेंद्र मोदी–अमित शाह के ईर्द–गिर्द बेइंतहां खर्च का जहां मीडिया नैरेटिव है। वही नितिन गडकरी भी 2014 के पहले से अब तक लगातार दिलचस्पी के केंद्र हैं। फिलहाल यह कयास है

सुप्रीम फैसलों ने बढ़ाया देश का मान, देशवासियों को है न्यायपालिका पर विश्वास

1998 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने 3–2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी।भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में कई ऐसे फैसले दिए हैं जिससे देश का मान तो बढ़ा ही है। उसके साथ ही वो फैसले न्यायपालिका के क्षेत्र में भी मील के पत्थर साबित होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों से जहां हर देशवासी को गौरवान्वित किया हैं। वहीं देशवासियों का न्यायपालिका के प्रति विश्वास को भी सुदृढ़ किया है। सुप्रीम कोर्ट के इन फैसलों की पूरे देश में सराहना हो रही है। देश के आम आदमी को भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले से यह महसूस होने लगा कि हमारे देश में न्याय कभी कमजोर नहीं हो सकता है। हालांकि पिछले कई वर्षों से देश में न्यायपालिका को कमजोर करने के आरोप लग रहे थे। जिनको सुप्रीम कोर्ट के फैसलों ने झूठला दिया है। 04 मार्च 2024 को वोट के बदले नोट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। अब रिश्वत लेकर सदन में वोट दिया या सवाल पूछा तो सांसदों या विधायकों को विशेषाधिकार के तहत मुकदमे से छूट नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट की 7 जजों की संवैधानिक पीठ ने सोमवार को अपना 25 साल पुराना फैसला पलट दिया। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एएस बोपन्ना, एमएम सुंदरेश, पीएस नरसिम्हा, जेबी पारदीवाला, संजय कुमार और मनोज मिश्रा की संवैधानिक पीठ ने कहा कि हम 1998 में दिए गए जस्टिस पीवी नरसिम्हा के उस फैसले से सहमत नहीं हैं। जिसमें सांसदों और विधायकों को सदन में भाषण देने या वोट के लिए रिश्वत लेने पर मुकदमे से छूट दी गई थी। 1998 में 5 जजों की संवैधानिक पीठ ने 3–2 के बहुमत से तय किया था कि ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि अगर कोई घूस लेता है तो केस बन जाता है। यह मायने नहीं रखता है कि उसने बाद में वोट दिया या फिर स्पीच दी। आरोप तभी बन जाता है जिस वक्त कोई सांसद घूस स्वीकार करता है। संविधान के आर्टिकल 105 और 194 सदन के अंदर बहस और विचार–विमर्श का माहौल बनाए रखने के लिए हैं। दोनों अनुच्छेद का मकसद तब बेमानी हो जाता है। जब कोई सदस्य घूस लेकर सदन में वोट देने या खास तरीके से बोलने के लिए प्रेरित होता है। आर्टिकल 105 या 194 के तहत रिश्वतखोरी को छूट हासिल नहीं है। रिश्वत लेने वाला आपराधिक काम में शामिल होता है। ऐसा करना सदन में वोट देने या भाषण देने के लिए जरूरत की श्रेणी में नहीं आता है। सांसदों का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को नष्ट कर देती है। हमारा मानना है कि संसदीय विशेषाधिकारों के तहत रिश्वतखोरी को संरक्षण हासिल नहीं है। यह मुद्दा दोबारा तब उठा जब झामुमो विधायक सीता सोरेन ने अपने खिलाफ जारी आपराधिक कार्रवाई को रद्द करने की याचिक दाखिल की। उन पर आरोप था कि उन्होंने 2012 के झारखंड के राज्यसभा चुनाव में एक खास प्रत्याशी को वोट देने के लिए रिश्वत ली थी। सीता सोरेन ने अपने बचाव में तर्क दिया था कि उन्हें सदन में कुछ भी कहने या वोट देने के लिए संविधान के अनुच्छेद 194 (2) के तहत छूट हासिल है।

इसी तरह कुछ दिनों पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया था। अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक

दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। याचिकाकर्ताओं ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कि इससे राजनीतिक दलों को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ताओं ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29 (बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है। कुछ दिनो पूर्व चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने बड़ा फैसला करते हुए आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार कुलदीप कुमार को मेयर घोषित कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह की तरफ से घोषित बीजेपी कैंडिडेट मनोज कुमार सोनकर को मेयर के तौर पर विजेता घोषित करने का फैसला अवैध है और उसे खारिज किया जाता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पूरे चुनावी प्रक्रिया को खारिज करने से लोकतांत्रिक सिद्धांत के लिए विनाशकारी होगा क्योंकि यह सब पीठासीन अधिकारी के मिसकंडक्ट के कारण हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पीठासीन अधिकारी मसीह ने जानबूझकर आठ बैलेट पेपर को विकृत किया है। इसलिये उनके खिलाफ मुकदमा चलाए जाने के लिए नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में अनुच्छेद 142 के तहत विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए आदेश पारित करते हुए कहा था कि पूर्ण न्याय के लिए हम निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस और चीफ जस्टिस ने बैलेट पेपर और वीडियो का अवलोकन किया और खुद ही परीक्षण किया और पाया है कि वह विकृत नहीं है। शीर्ष अदालत ने कहा कि जो रिजल्ट शीट है उसमें 12 वोट याचिकाकर्ता कुलदीप को मिले हैं। जबकि 16 वोट बीजेपी कैंडिडेट मनोज सोनकर को मिले थे और 8 बैलेट पेपर को पीठासीन अधिकारी ने अमान्य करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इन आठ बैलेट को मान्य करार दिया और कहा कि इनमें वोट कुलदीप कुमार के पक्ष में पड़े थे।

2024 के भारत में आरवेल का सत्य!

श्रुति व्यास

रोजाना एक ही तरह की चीजें पढ़ते रहने की बोरियत से मुक्ति के लिए मैंने पिछले वीकएंड श्एनीमल फार्मश्य फिर से पढ़ डाली। जार्ज ऑरवेल की यह कृति सच्चे अर्थों में कालजयी है। जब वह लिखी गई थी तब जितनी प्रासंगिक थी, उतनी ही आज भी प्रासंगिक है। सन् 1945 में प्रकाशित इस उपन्यासिका में शूकर (सुअर) बंधु जिस तरह सत्ता पर कब्जा जमाते हैं, वह सोवियत संघ (तब और रूस) जैसी तानाशाही और प्रोपेगेंडा की असीम ताकत के खतरों से दुनिया को सचेत करना है।

जानवरों का जमावड़ा जैसे–जैसे समतापूर्ण समाज से असमान समाज बनने की ओर बढ़ता है, वैसे–वैसे शासक शूकर, प्लाट बदलते जाते हैं। जार्ज ऑरवेल ने इस पुस्तक में सत्ता, आशा, झूठ, प्रोपेगेंडा और अंधश्रद्धा जैसे मुद्दों की बारीक पड़ताल की है। वे हमें बताते हैं कि किस तरह अंततरू केवल सत्ता हासिल करना ही पहला और आखिरी लक्ष्य बन जाता है और सत्ता की यह लिप्सा कैसे समाज को नष्ट कर देती है।

श्एनीमल फार्मश्य 20वीं सदी के मध्य के सोवियत संघ पर आधारित था। उसके पात्र नेपोलियन में हम स्टालिन और स्नोबॉल में ट्रोटोस्की को देख सकते हैं। अब न तो सोवियत संघ का कोई नामलेवा बचा है और न स्टालिन और ट्रोटोस्की हैं। मगर श्एनीमल फार्मश्य को आज की दुनिया की फेक न्यूज, जहरीले प्रोपेगेंडा और षडयंत्रपूर्वक की जाने वाली ऑनलाइन ट्रोलिंग से आसानी से जोड़ा जा सकता है।श्यएनीमल फार्मश्य का मुख्य सन्देश यही है कि नैरेटिव, मीडिया पर जिसका नियंत्रण होता है, जीत उसी की होती है।

भले ही यह हमें असहज करे, मगर तथ्य यही है कि करीब तीन–चौथाई सदी पहले ऑरवेल ने जो रूपक बुना था, वह आज की हमारी दुनिया के राजनैतिक नैरेटिव पर भी लागू है।

अब जब सत्ता और पालिटिकल नैरेटिव की बात होती है, तो चुनाव का ध्यान हो आना स्वाभाविक है। भारत में चुनावी प्रक्रिया शुरू हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने एक–तिहाई से ज्यादा उम्मीदवारों की नामों की घोषणा कर दी है। चुनाव आयोग की टीमें राज्यों का दौरा कर तैयारियों का जायजा ले रही हैं। मीडिया हाऊस तरह–तरह के चमकीली–चटकीले राजनैतिक कॉन्क्लेव आयोजित कर रहा हैं, जो मिनी चुनावी सभा नजर आते हैं।

चुनावों का नतीजा क्या होगा, यह करीब–करीब तय है। अलग–अलग क्षेत्रों में जिसकी भी जीत–हार हो लेकिन सर्वोच्च नेता की जीत तय बताई जा रही है। हालाँकि परिणामों के तय बताए जाने के बाद भी वातावरण में रोमांच तो है।2024 के लोकसभा चुनाव को शविचारधारात्मक कारणोंश्य से महत्वपूर्ण बताया जा रहा हैं। लंदन कीश्द इकनामिस्ट्य पत्रिका ने लिखा है, श्श्इस साल भारत और अमेरिका में होने वाले दो बड़े चुनाव पूरी दुनिया के लिए प्रजातंत्र की परीक्षा होंगे।ष क्या सचमुच? क्या वाकई भारत में प्रजातंत्र खतरे में है?

ऐसा बताया जा रहा है कि सन् 2014 के बाद से एक प्रजातंत्र के रूप में भारत की छवि फीकी पड़ती जा रही है। क्या ऐसा है? देश की सबसे बड़ी अदालत के जजों ने एकमत से भारत सरकार की 2018 में शुरू की गई इलेक्ट्रोरल बांड योजना को रद्द किया है।मीडिया कह रहा है कि विपक्ष आखिर विचारधारा से चालित क्यों नहीं है? नौकरशाही दिन–रात इस कोशिश में है कि देश के सभी नागरिकों को साफ पानी और मुफ्त राशन मिले और हर घर में शौचालय हो।

अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। भारत का सूरज दुनिया के आसमान में चमक रहा है। रिहाना हमारे देश के एक रईसजादे के शाहजादे की शादी में गानें गा रही हैं।भारत में इतना काम, इतना जलवा? क्या पश्चिम में है कोई ऐसा जो इसके मुकाबिल हो? अगर मोदीजी पांच साल और प्रधानमंत्री रह गए तो भारत सचमुच विश्वगुरू बन जाएगा।

सो देश में जो कुछ हो रहा है उसमें प्रजातंत्र के लिए खतरा क्या है? आखिकार प्रजातंत्र को किससे खतरा हो सकता है? प्रजातंत्र के दुश्मन वे हैं जो खुलकर और जानते–बूझते हुए प्रजातंत्र पर हमला करते हैं, जैसा कि इंदिरा गांधी ने इमरजेन्सी के दौरान किया था। क्या मोदी या उनके सिपहसालारों ने ऐसा कुछ किया है?

दरअसल मोदी इसलिए लगातारजीतते जा रहे हैं क्योंकि राजनैतिक नैरेटिव वे तय कर रहे हैं। उस पर उनका पूरा नियंत्रण है। जैसा कि जार्ज ऑरवल ने हमें बहुत पहले बताया था, विजेता वही होते है जिनका नैरेटिव पर नियंत्रण हो। नरेन्द्र मोदी ने संविधान या भारत की प्रजातांत्रिक संस्थाओं से प्रकट रूप में कोई बड़ी छेड़छाड़ नहीं की है।

उन्होंने केवल नैरेटिव को अपने पक्ष में किया है। पश्चिम के अति वामपंथी और मध्य वामपंथी बुद्धिजीवी तबके का कहना है कि भारत की जनता डर के कारण मोदी का साथ दे रही है। जनता को लगता है कि अगर मोदी नहीं होंगे तो पाकिस्तान और चीन भारत पर कब्जा कर लेंगे और हिन्दुओं के सिर पर खतरा मंडराने लगेगा।

मगर वे यह भूल जाते हैं कि मोदी के राजनीति के मंच के केन्द्र में आने के काफी पहले से ही जनता का राजनीति से मोहभंग हो गया था। लोग बेचौन और अशांत थे। उनमें गुस्सा भी था और राजनीतिज्ञों के प्रति तिरस्कार का भाव भी। युवा और अशांत लोग कांग्रेस से बोर हो गए थे। उन्हें लगता था कि कांग्रेस समय के चक्र में एक निश्चित बिंदु पर अटक गई है और चूंकि प्रजातंत्र उन्हें यह अधिकार और मौका देता था कि वे अपना गुस्सा जाहिर कर सकें, इसलिए उन्होंने ऐसा किया।

ठीक उसी तरह से जिस तरह उपन्यास में मेनर फार्म पर जानवर अपने गुस्से का इजहार करते हैं और ओल्ड मेजर बहुत ही व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से इस गुस्से का लाभ उठाते हुए उन्हें श्मनुष्य के अत्याचारोंश्य के खिलाफ विद्रोह करने के लिए भड़काता है। जैसा कि हमेशा होता है, कोई भी नई चीज अपने साथ नयी आशा लाती है।

यह आशा आपके गुस्से पर छा जाती है और आपको अंधा बना देती है। विद्रोह करने वाले जानवरों को यह समझ में ही नहीं आता कि विद्रोह के नेतृत्व की नेकनियती पर भरोसा करने के कारण वे अंततरू उसी व्यवस्था के लिए काम करने लगे हैं जो व्यवस्था उनका अत्यंत क्रूरतापूर्वक शोषण करती थी।

सन् 2014 में लोगों ने बड़ी आशा से मोदी को सत्ता सौंपी। उन्हें मोदी की नेकनीयती पर पूरा भरोसा था। यह भरोसा आज भी कायम है, भले ही पिछले 10 सालों में केवल शासन तंत्र आगे बढ़ा हो और आम लोग वहीं के वहीं हों। इसी भरोसे ने विपक्ष को कमजोर और पंगु बना दिया। नरेन्द्र मोदी ने विपक्ष को नहीं कुचला, विपक्ष ने स्वयं को कुचल लिया। छोटी–बड़ी पार्टियों के सैकड़ों नेता एक अज्ञात भय के वशीभूत भाजपा का हिस्सा बन गए। विपक्ष को नहीं मालूम कि उसे क्या करना चाहिए। उसके पास न नैरेटिव है, न प्रोपेगेंडा है और न कोई चमत्कारिक व्यक्तित्व। विपक्ष, विपक्ष का काम करने में असफल और असमर्थ है।

हाल में प्रकाशित अपने एक लेख में शेखर गुप्ता ने लिखा कि भाजपा के पास बहुत शानदार पैकेज है। जो लोग पार्टी में हैं उन्हें विचारधारा की फेविकोल वहीं रोके रखता है। जो बाहर हैं, उन्हें सत्ता और सुरक्षा का आश्वासन पार्टी की ओर खींचता रहता है। बचे आम वोटर, तो उनके लिए मोदी की गारंटियां हैं ही। शेखर गुप्ता का आकलन गलत नहीं है। मगर इसमें एक विरोधाभास है, जिसे नजरअंदाज किया तो जा सकता है लेकिन नहीं किया जाना चाहिए।

आज राजनैतिक नैरेटिव विचारधारा से चालित नहीं है। कांग्रेस अगर बिखर रही है तो इसका कारण यह है कि राहुल गांधी पप्पू हैं और पार्टी के क्षेत्रीय नेताओ में वह चमक ही नहीं है जो लागों को आकर्षित कर सके। इस बीच भाजपा, मोदी की पार्टी बन गई है। जहां तक विचारधारा का सवाल है, उसे एक डिब्बे में अच्छी तरह से पैक करके पार्टी के आफिस के एक कोने में रख दिया गया है। भाजपा को भी आशा से ऊर्जा मिल रही है।

पार्टी के पुराने और नए नेताओं को आशा है कि नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व आमजनों में जिस तरह की आशाएं जगाता है, वह उनकी नैया पार लगा देगा। यह आशा उन्हें सत्ता की गारंटी देती है। यह आशा उन्हें सुरक्षा का भरोसा देती है। भाजपा पूरी तरह से व्यक्ति–केन्द्रित पार्टी बन गई है जिसकी कहानी मोदी से शुरू होती है और मोदी पर खत्म होती है। अगर भाजपा और उसके गठबंध साथियों के 545 उम्मीदवार श्मोदी की गारंटीश्य को अपने प्रचार का केन्द्र बनाएंगे तो विचारधारा के लिए कहां जगह बचेगी?।

बिना किसी संकोच के यह तो कहा ही जा सकता है कि 2024 के चुनाव मोदी जीतेंगे।

आज का राशिफल

मेष राशि– आज आपका दिन बेहतर रहेगा। करियर के मामले में आप अपनी क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां ले सकते हैं। हालांकि उनको पूरा करने की भी आप पूरी कोशिश करेंगे। छात्रों को किसी काम में बेहतर नतीजे मिल सकते हैं। कॉलेज स्टूडेंट्स अपने भविष्य के लिए टीचर्स से सलाह ले सकते हैं। परिवार में आपको माता का पूरा सहयोग मिलेगा।

वृष राशि–आज आपका दिन राहतपूर्ण रहने वाला है। आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के लोग कम्प्यूटर से जुड़े कार्यों के लिए न अत्यंतमहत्वपूर्ण रहने वाला है। आपको किसी बड़ी कंपनी से च्छा ऑर्डर ल सकता है। छात्रों को अपनी किसी प्रतिभा के लिए पुरुस्कार मिल सकता है। वमेट के लिए दिन अच्छा है।

मिथुन राशि–आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप घरेलू चीजों को खरीदने के लिए मार्केट जा सकते हैं। आपके बच्चे आपको हर तरह से सपोर्ट करेंगे। महिलाओं के लिए दिन बेहतरीन रहेगा। आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं। माता–पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद करेगा। अगर आप राजनीति के क्षेत्र में हैं, तो आप सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

कर्क राशि–आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। ऑफिस में किसी से भी व्यर्थ की बात करने से आपको बचना चाहिए। आपको अपने गुस्से पर भी कंट्रोल रखना चाहिए। गुस्से में आपका काम बिगड़ सकता है। किसी प्रॉपर्टी में निवेश करने की सोच रहे हैं, तो किसी जानकार से सलाह जरूर ले लें। कला के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन ठीक रहेगा। आप किसी समारोह में भाग ले सकते हैं।

सिंह राशि–आज किसी व्यक्ति से आपकी उम्मीदें बढ़ी हुई रहेंगी, लेकिन आपकी उम्मीदों पर पानी फिर सकता है। किसी से भी ज्यादा उम्मीदें लगाकर ना रखें। साथ ही जो भी काम करें, अपने दम पर करें। किसी से मदद लेना आपको भारी पड़ सकता है। छात्रों के लिए दिन ठीक रहेगा। आपका पढ़ाई में मन लगेगा। आप किसी स्कूल या कॉलेज के प्रोजेक्ट पर काम कर सकते हैं।

कन्या राशि– आज आपकी ऊर्जा का स्तर बेहतर रहेगा। आपका काम कम समय में पूरा हो जाएगा। आपका काम दूसरों को आपकी तरफ आकर्षित करेगा। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में भी लोग आपकी तारीफ करेंगे। परिवार में सब लोग आपके पक्ष में रहेंगे।

तुला राशि–आज आपका मन लेखन कार्यों में रहेगा। आप किसी पुरानी अधूरी रचना को फिर से पूरा कर सकते हैं, इससे आपको मानसिक रूप से अच्छा महसूस होगा।

कॉलेज में किसी काम के लिए पुरस्कार मिल सकता है। आप आगे की पढ़ाई के लिए पूरी मेहनत करेंगे। पैसों के लेन–देन में आपको थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए।

वृश्चिक राशि–आज आपका दिन शानदार रहेगा। पहले से बनाई हुई योजनाओं के पूरा होने के योग बन रहे हैं। आप किसी नए काम के बारे में सोच सकते हैं। परिवार में सबके साथ आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। स्टूडेंट्स अपना प्रोजेक्ट पूरा करने के लिए किसी मित्र से सहयोग मांग सकते हैं। ऑफिस में स्थिति ठीक बनी रहेगी।

धनु राशि–आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। बिजनेस के मामले में आपको किसी नजदीकी दोस्त से मदद मिलेगी। आपका मन प्रसन्न रहेगा। नवविवाहित किसी ट्रिप का प्लान बनाएंगे। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। छात्र किसी प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं। आपको सफलता भी मिलेगी।

मकर राशि–आज मेहनत से किए हुए काम पूरा होने की उम्मीद है, जिससे आपको काफी राहत मिल सकती है, लेकिन आपको समय के प्रति थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। किसी कार्य में अधिक समय लगाने से दूसरे काम अधूरे रह सकते हैं। आप किसी से मदद मांगने में ना हिचकें।

कुंभ राशि–आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आप किसी नए रिश्ते की शुरुआत कर सकते हैं, दिन अच्छा रहेगा। आपको काम के बेहतरीन मौके मिलेंगे। जो लोग जॉब कर रहे हैं, उन्हें किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के ऑफर मिल सकते हैं।

मीन राशि–आज आपकी किस्मत आपका साथ देगी। आपके सारे काम आसानी से पूरे होते दिखेंगे। अपने भविष्य के लिए कोई योजना बना सकते हैं। काम के प्रति सोच–विचार में दोस्तों का भी सहयोग मिल सकता है।

शहबाज सरकार को बताया फर्जी, इमरान खान ने किया 10 मार्च को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का ऐलान

पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर और वरिष्ठ पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ नेता असद कैसर के हवाले से कहा, हम सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट करेंगे और कानून और संविधान के तहत एक आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सभी प्रांतों में सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं ताकि उनकी मांगें पूरी की जा सकें।शहबाज शरीफ के दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ लेने के एक दिन बाद जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) पार्टी ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 10 मार्च को चोरी के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी। जियो न्यूज ने पूर्व नेशनल असेंबली स्पीकर और वरिष्ठ पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ नेता असद कैसर के हवाले से कहा, हम सभी राजनीतिक ताकतों को एकजुट करेंगे और कानून और संविधान के तहत एक आंदोलन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि वे सभी प्रांतों में सड़कों पर उतरने की योजना बना रहे हैं ताकि उनकी मांगें पूरी की जा सकें।उन्होंने कहा कि वे समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करेंगे। हमारा आंदोलन जारी रहेगा और सभी राजनीतिक ताकतों को एक साथ लाएगा। पाकिस्तान में 8 फरवरी को हुए आम चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोप लगे थे। परिणामस्वरूप, त्रिशंकु संसद बनी, जिसमें इमरान खान की पार्टी द्वारा समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवारों ने 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में 90 से अधिक सीटें हासिल कीं। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) ने 75 सीटें हासिल कीं, जबकि पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 सीटें हासिल कीं। इसके अतिरिक्त, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम–पी) ने 17 सीटें हासिल कीं। बातचीत के बाद नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ ने सोमवार को प्रधानमंत्री की भूमिका संभाली। यह पीएमएल–एन और पीपीपी के गठबंधन सरकार स्थापित करने के लिए सत्ता–साझाकरण व्यवस्था पर आम सहमति पर पहुंचने के बाद आया। कैसर ने कहा कि वे शांतिपूर्वक विरोध करेंगे क्योंकि वे शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली फर्जी सरकार में विश्वास नहीं करते हैं। आपको हमारे जनादेश और हमें मिले 30 मिलियन वोटों का कोई सम्मान नहीं है। उन्होंने कहा कि पीटीआई समर्थित सांसदों वाली पार्टी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) से ₹180 सीटें छुरा ली गई हैं।

जिनपिंग के खतरनाक इरादे, चीन ने 7 फीसदी से ज्यादा बढ़ाया रक्षा बजट

चीन ने कहा कि वो ताइवान की स्वतंत्रता और बाहरी हस्तक्षेप के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध करेगा। पिछली रिपोर्टों में शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के उल्लेख से परे अन्य रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन पुनर्मिलन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा। चीन इस साल अपने डिफेंस बजट में 7.2: का इजाफा किया है। ये आंकड़ा पिछले वर्ष के बराबर है। लेकिन सरकार की आर्थिक वृद्धि की भविष्यवाणी से अधिक है। बजट में सेना पर 1.67 ट्रिलियन युआन (230.60 अरब डॉलर) खर्च का अनुमान लगाया गया है। अमेरिका चीन के रक्षा बजट पर कड़ी नजर रखता है। ताइवान पर हाल ही में बढ़े तनाव को देखते हुए बीजिंग के रणनीतिक लक्ष्यों और उसके सैन्य बलों की वृद्धि को लेकर अमेरिका पहले से ही चिंतित हैं। चीन ने कहा कि वो ताइवान की स्वतंत्रता और बाहरी हस्तक्षेप के उद्देश्य से अलगाववादी गतिविधियों का दृढ़ता से विरोध करेगा। पिछली रिपोर्टों में शांतिपूर्ण पुनर्मिलन के उल्लेख से परे अन्य रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन पुनर्मिलन के उद्देश्य को आगे बढ़ाने में दृढ़ रहेगा। इस वर्ष सैन्य खर्च में वृद्धि एकल–अंकीय वृद्धि के लगातार नौवें वर्ष का प्रतिनिधित्व करती है। पिछले वर्षों की तरह, खर्च के किसी भी ब्यौरे के बिना, केवल कुल राशि और वृद्धि का प्रतिशत प्रदान किया गया था। प्रधानमंत्री ली कियांग की पहली कार्य रिपोर्ट मंगलवार को बीजिंग में अपनी वार्षिक बैठक के दौरान चीन की रबर–स्टैम्प संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) द्वारा सुनी जानी है। रॉयटर्स द्वारा देखी गई एक आधिकारिक कार्य रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने 2024 के लिए लगभग 5: वार्षिक आर्थिक विकास लक्ष्य स्थापित किया है, जो पिछले वर्ष के एजेंडे के अनुरूप है। इसे भी पढ़ेंरू चीन ने 2024 के लिए पांच प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य बरकरार रखाबता दें कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग के 2012 में सत्ता में आने के बाद से बीते वर्षों में रक्षा खर्च बढ़ा है। अमेरिका के बाद चीन रक्षा बजट पर खर्च करने के मामले में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है।

चीन के साथ मालदीव ने किया समझौता, मुफ्त सैन्य मदद देगा ड्रैगन

मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के अंतर्राष्ट्रीय सैन्य सहयोग कार्यालय के उप निदेशक मेजर जनरल झांग बाओकुन ने दस्तावेजों का आदान–प्रदान किया। मालदीव मीडिया के अनुसार, एक समझौते की शर्तों के तहत, चीन ने मालदीव को बिना किसी कीमत के सैन्य सहायता प्रदान करने का वादा किया है। हिंद महासागर क्षेत्र में बदलती गतिशीलता के बीच मालदीव और चीन ने दो सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। ये सौदे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ते हैं, खासकर ऐसे समय में जब मालदीव की भारत के साथ बातचीत में तनाव के संकेत दिख रहे हैं। समझौतों को एक समारोह में औपचारिक रूप दिया गया जहां मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून और पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के अंतर्राष्ट्रीय सैन्य सहयोग कार्यालय के उप निदेशक मेजर जनरल झांग बाओकुन ने दस्तावेजों का आदान–प्रदान किया। मालदीव मीडिया के अनुसार, एक समझौते की शर्तों के तहत, चीन ने मालदीव को बिना किसी कीमत के सैन्य सहायता प्रदान करने का वादा किया है। हालांकि सहायता की बारीकियों का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन चीन की ओर से यह इशारा दोनों देशों के बीच सैन्य और रणनीतिक संबंधों को गहरा करने का संकेत देता है। मालदीव के रक्षा मंत्रालय ने अभी तक सहायता के विवरण का खुलासा नहीं किया है, जिससे सैन्य समर्थन की प्रकृति और दायरे पर अटकलों की गुंजाइश बनी हुई है। इसके अतिरिक्त, चीनी अनुसंधान पोत जियांग यांग होंग 3 के संबंध में एक समानांतर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने हाल ही में मालदीव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जैसा कि मालदीव मीडिया ने उद्धृत किया है। यह समझौता संभावित रूप से हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में समुद्री अनुसंधान को प्रभावित कर सकता है, जिससे उनके द्विपक्षीय संबंध और मजबूत होंगे। ये समझौते ऐसे नाजुक मोड़ पर आए हैं जब मालदीव के भारत के साथ रिश्ते ठंडे पड़ते दिख रहे हैं। मुइज्जू सरकार की चीन के साथ बढ़ती संलग्नता एक रणनीतिक धुरी का संकेत देती है, जो संभवतः क्षेत्र में शक्ति और प्रभाव के संतुलन को पुनः व्यवस्थित कर रही है। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित मालदीव इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा और व्यापार मार्गों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गाजा संकट पर भारत का संयुक्त राष्ट्र में बड़ा बयान, आतंकवाद किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने श्वीटो के उपयोगश पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और महिलाओं की जान चली गई है। बच्चे...इससे एक खतरनाक मानवीय संकट भी पैदा हो गया है। यह स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य है। गाजा संकट पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र में बयान दिया है। भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि गाजा पर भारत हमेशा दो राज्य समाधान के समर्थन के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं आतंकवाद को लेकर भी भारत सरकार का रुख कड़ा है। बंधकों की बिना शर्त रिहाई होनी चाहिए। कंबोज ने कहा कि गाजा में मानवीय सहायता बढ़ाई जाए। आतंकवाद पर प्रहार करते हुए भारत ने साफ किया कि आतंकवाद किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने श्वीटो के उपयोगश पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही। इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के कारण बड़े पैमाने पर नागरिकों, विशेषकर महिलाओं और महिलाओं की जान चली गई है। बच्चे...इससे एक खतरनाक मानवीय संकट भी पैदा हो गया है। यह स्पष्ट रूप से अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि भारत गाजा में लगभग पांच महीने से चल रहे संघर्ष से बहुत परेशान है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के शीर्ष राजनयिक ने कहा कि मानवीय संकट गहरा गया है, और क्षेत्र और उससे परे अस्थिरता बढ़ रही है। पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका द्वारा वीटो लगाने के बाद महासभा ने श्वीटो के उपयोगश पर पूर्ण बहस आयोजित की, जिसके कारण परिषद गाजा युद्ध में मानवीय युद्धविराम के प्रस्ताव को अपनाने में विफल रही। कंबोज ने यूएनजीए को बताया कि संघर्ष पर भारत की स्थिति स्पष्ट है, और नई दिल्ली ने संघर्ष में नागरिकों की मौत की कड़ी निंदा की है। हिंसा और शत्रुता को और बढ़ने से रोकने के लिए यह महत्वपूर्ण है। किसी भी संघर्ष की स्थिति में नागरिक जीवन के नुकसान से बचना जरूरी है। कंबोज ने रेखांकित किया कि स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए गाजा के लोगों को मानवीय सहायता तुरंत बढ़ानी चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से इस प्रयास में एक साथ आने का आग्रह किया और संयुक्त राष्ट्र और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत ने फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान की है और आगे भी करता रहेगा।

सिविल ड्रेस में भी कोई भारतीय सैनिक मालदीव में नहीं रहेगा, ड्रैगन संग डील के बाद मुइज्जू ने फिर दिखाया अपना रंग

भारतीय सैन्य कर्मीयों की सादे कपड़ों में भी मौजूदगी नहीं रहेगी। एमवी ने रिपोर्ट किया। मुइज्जू की टिप्पणी तब आई जब एक भारतीय नागरिक दल द्वीप राष्ट्र में तीन विमानन प्लेटफार्मों में से एक का कार्यभार संभालने के लिए मालदीव पहुंचा, जो कि भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी के लिए दोनों देशों द्वारा सहमत 10 मार्च की समय सीमा से काफी पहले था। मालदीव द्वारा मुफ्त सैन्य सहायता प्राप्त करने के लिए चीन के साथ समझौते पर हस्ताक्षर करने के ठीक एक दिन बाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक बार फिर अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। मुइज्जू ने कहा कि 10 मई के बाद नागरिक कपड़ों सहित किसी भी भारतीय सैनिक को द्वीप राष्ट्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। भारतीय सैन्य कर्मीयों की सादे कपड़ों में भी मौजूदगी नहीं रहेगी। एमवी ने रिपोर्ट किया। मुइज्जू की टिप्पणी तब आई जब एक भारतीय नागरिक दल द्वीप राष्ट्र में तीन विमानन प्लेटफार्मों में से एक का कार्यभार संभालने के लिए मालदीव पहुंचा, जो कि भारतीय सैन्य कर्मियों की वापसी के लिए दोनों देशों द्वारा सहमत 10 मार्च की समय सीमा से काफी पहले था। एक समुदाय को संबोधित करते हुए, मुइज्जू ने दावा किया कि

लोग मालदीव से भारतीय सैनिकों को बाहर निकालने में उनकी सरकार की ₹सफलताश के बारे में अफवाहें फैला रहे थे। ये लोग (भारतीय सेना) प्रस्थान नहीं कर रहे हैं, और वे अपनी वर्दी को नागरिक कपड़ों में बदलने के बाद लौट रहे हैं। पोर्टल ने चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू के हवाले से कहा कि हमें ऐसे विचारों में नहीं आना चाहिए जो हमारे दिलों में संदेह पैदा करें और झूठ फैलाएं। उन्होंने कहा कि 10 मई को देश में कोई भी भारतीय सैनिक नहीं होगा। न तो वर्दी में और न ही नागरिक कपड़ों में। भारतीय सेना इस देश में किसी भी प्रकार के वस्त्र पहनकर नहीं रहेगी। मैं यह बात विश्वास के साथ कहता हूं। राष्ट्रपति के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया कि सच्ची स्वतंत्रता हासिल करना एक ऐसी अवधारणा है जिसे वह सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं, मुइजू ने टिप्पणी की कि उनकी सरकार मालदीव से भारतीय सैनिकों को बाहर निकालने के अलावा देश से वंचित दक्षिणी समुद्री क्षेत्र को फिर से हासिल करने के लिए उचित महत्व के साथ प्रयास कर रही है। मुझे विश्वास है कि हम इसे हासिल कर सकते हैं। इस कार्य के समापन में देरी कार्यान्वयन के दौरान ~~अपनाई गई प्रतिकूल प्रक्रियाओं के कारण है। यह मामला संसद में ले जाए बिना भी किया गया, जो संविधान का भी उल्लंघन है।~~

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के लिए क्यों इतना महत्वपूर्ण

बाइडेन और ट्रम्प का मजबूत प्रदर्शन उन्हें उनकी पार्टी के उम्मीदवार बनने के करीब ले जाएगा। प्रतियोगिता अलास्का और कैलिफोर्निया से लेकर वर्जीनिया और वर्मोंट तक चलेगी। जबकि अधिकांश ध्यान राष्ट्रपति पद के मुकाबले पर होगा। सुपर ट्यूजडे अमेरिका में इस साल के प्राथमिक अभियान का सबसे महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन 16 राज्यों में चुनाव होंगे, जो डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। चुनाव राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प के लिए महत्वपूर्ण हैं, जो क्रमशः डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए स्पष्ट दावेदार हैं। सबसे अधिक प्रतिनिधियों के दांव पर होने के दिन, बाइडेन और ट्रम्प का मजबूत प्रदर्शन उन्हें उनकी पार्टी के उम्मीदवार बनने के करीब ले जाएगा। प्रतियोगिता अलास्का और कैलिफोर्निया से लेकर वर्जीनिया और वर्मोंट तक चलेगी। जबकि अधिकांश ध्यान राष्ट्रपति पद के मुकाबले पर होगा। पूर्व राष्ट्रपति ने रेस में अपना दबदबा बना लिया है और उनकी अंतिम प्रमुख प्रतिद्वंद्वी निक्की हेली अपनी दावेदारी को लेकर संघर्ष कर रही हैं। वह मिशिगन में 27 फरवरी की प्राइमरी में 40 प्रतिशत से अधिक अंकों से हार गईं। यहां तक घ्कि वह अपना गृह राज्य दक्षिण कैरोलिना भी हार गईं, जहां वह दो बार गवर्नर चुनी गईं। जैसे ही सुपर मंगलवार की ओर बढ़ती है, विशाल मानचित्र हेली पर अजेय बढ़त हासिल करने के लिए ट्रम्प के लिए तैयार किया गया लगता है। उनकी टीम हेली पर बाहर होने का दबाव बना रही है और एक और बड़ी जीत उनके पक्ष में एक बड़ा मुद्दा हो सकती है। क्या होता है सुपर ट्यूजडे'सुपर ट्यूजडे' अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के चयन के लिए प्राइमरी चुनाव प्रक्रिया का वह दिन होता है, जब सबसे अधिक राज्यों में प्राइमरी और कॉकस चुनाव होते हैं। ट्रंप आयोवा, न्यू हैम्पशायर और नेवादा के प्राइमरी चुनाव भी जीत चुके हैं, लेकिन साउथ कैरोलाइना की जीत ट्रंप के लिए विशेष महत्व रखती है। हेली दो बार यहां की गवर्नर रह चुकी हैं। किसी भी दावेदार को पार्टी का उम्मीदवार बनने के लिए 1,215 'डेलिगेट' के समर्थन की आवश्यकता होती है। अब तक हेली ने 17 और ट्रंप ने 92 'डेलिगेट' का समर्थन हासिल कर लिया है। नॉर्थ डकोटा कॉकस में ट्रंप की जीत अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार चुने जाने की प्रक्रिया के तहत डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को नॉर्थ डकोटा कॉकस के चुनाव में जीत हासिल की। पूर्व राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र की पूर्व राजदूत निक्की हेली के खिलाफ 12 कॉकस स्थलों पर हुए मतदान में पहला स्थान प्राप्त किया। इस नतीजे से ट्रंप वापस जीत की पटरी पर लौट आए हैं। इससे पहले उन्हें रविवार को डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के प्राइमरी चुनाव में हेली से हार का सामना करना पड़ा था।बाइडेन कितने मजबूतरिपब्लिकन राष्ट्रपति पद का प्राथमिक चुनाव जितना सुस्त रहा है, डेमोक्रेटिक उससे भी अधिक शांत है। बाइडेन के पास कई राजनीतिक समस्याएं हैं जो उन्हें जनमत सर्वेक्षणों में नीचे खींच रही हैं, लेकिन अभी तक प्राथमिक मतदान केंद्रों पर ऐसा नहीं हुआ है। बाइडन ने प्रांत में एक और जीत हासिल की, जो चार प्रयासों में उनकी चौथी प्राथमिक जीत है। उन्होंने चार जीतों में से 177 'डेलीगेट' का समर्थन जीत लिया है। बाइडन को डेमोक्रेटिक पार्टी का नामांकन प्राप्त करने के लिए 1,968 'डेलीगेट' का समर्थन हासिल करना होगा। अपनी जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बाइडन ने कहा, "मैं मिशिगन के प्रत्येक व्यक्ति को धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने आज उनकी आवाज सुनी।

जयशंकर, मेरे दोस्त... तेल आयात से जुड़े बयान पर इतना खुश क्यों हो गया रूस, अमेरिका को लगेगी मिर्ची

रूसी समाचार एजेंसी स्पुतनिक द्वारा शेयर किए गए वीडियो में सर्गेई लावरोव सोची में विश्व युवा मंच में बताते नजर आते हैं कि मेरे मित्र, विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर एक बार संयुक्त राष्ट्र में भाषण दे रहे थे। उनसे पूछा गया कि उन्होंने रूस से इतना अधिक तेल क्यों खरीदना शुरू कर दिया। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूक्रेन युद्ध के बीच नई दिल्ली और मॉस्को के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर की सराहना की और याद किया कि जब पश्चिमी विश्लेषकों ने यह जानने की मांग की कि भारत अभी भी उनके देश के साथ क्यों जुड़ा हुआ है, तो उनके भारतीय समकक्ष ने कैसे प्रतिक्रिया दी थी। सर्गेई लावरोव रूसी शहर सोची में विश्व युवा मंच को संबोधित कर रहे थे जहां उनसे रविवार को रूस से भारत की तेल खरीद के बारे में पूछा गया था। सी समाचार एजेंसी स्पुतनिक द्वारा शेयर किए गए वीडियो में सर्गेई लावरोव सोची में विश्व युवा मंच में बताते नजर आते हैं कि मेरे मित्र, विदेश मंत्री सुब्रमण्यम जयशंकर एक बार संयुक्त राष्ट्र में भाषण दे रहे थे। उनसे पूछा गया कि उन्होंने रूस से इतना अधिक तेल क्यों खरीदना शुरू कर दिया। उन्होंने उन्हें अपने काम से काम रखने की सलाह दी और साथ ही उन्हें याद दिलाया कि कितना पश्चिम ने तेल खरीदना शुरू कर दिया था और रूसी संघ से तेल खरीदना जारी रखा। यह राष्ट्रीय गरिमा है। अमेरिका ने मार्च 2022 में रूस से तेल, गैस और अन्य ऊर्जा संसाधनों के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया, साथ ही रूसी व्यक्तियों, संस्थाओं और क्षेत्रों को लक्षित करने वाले

अन्य प्रतिबंध भी लगाए। पिछले साल अप्रैल में जयशंकर ने ब्रिटेन के तत्कालीन विदेश सचिव लिज ट्रस की उपस्थिति में कहा था कि यदि आप रूस से तेल और गैस के प्रमुख खरीदारों को देखें, तो मुझे लगता है कि आप पाएंगे कि उनमें से अधिकांश यूरोप में हैं। हम स्वयं अपनी अधिकांश ऊर्जा आपूर्ति मध्य पूर्व से प्राप्त करते हैं, अतीत में हमारा लगभग 7.5–8 प्रतिशत तेल अमेरिका से प्राप्त होता था, शायद रूस से प्रतिशत से भी कम। उन्होंने आगे कहा कि मुझे पूरा यकीन है कि अगर हम दो या तीन महीने इंतजार करें और वास्तव में देखें कि रूसी गैस और तेल के बड़े खरीदार

हाथों में कटोरा, जुबान पर जहर, Pakistan ने नए प्रधानमंत्री को कैसे मानवाधिकार कार्यकर्ता ने PoK को लेकर दिखाया आईना

कश्मीर राग पाकिस्तानी सेना का एजेंडा है इसलिए खिचड़ी सरकार के मुखिया और सेना के प्यादे शहबाज शरीफ भी वही बोल रहे हैं जो पाकिस्तानी फौज चाह रही है। शहबाज शरीफ की सोच कटोरा लेकर भीख मांगने से ज्यादा कुछ नहीं है। पाकिस्तान में नई सरकार बनी है और नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शपथ भी ले ली है। लेकिन पाकिस्तान में नया कुछ नहीं है। शहबाज शरीफ तो पाकिस्तानी फौज का ही मोहरा हैं और वही कर रहे हैं जो मुनीर चाहते हैं। फौजी सरकार के इशारे पर ही शहबाज शरीफ ने कश्मीर पर एक बार फिर जहर उगला है। मगर उनका ये दांव उल्टा पड़ता नजर आ रहा है। शरीफ ने शराफत का चोला उतार कर नेशनल असेंबली में कश्मीर पर जहर उगला। शहबाज शरीफ ने कश्मीर मुद्दे का जिक्र किया और उसी भाषण में देश में गंभीर आर्थिक संकट के बारे में भी बात की। उन्होंने अपने देश की संसद से कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी पर एक प्रस्ताव पारित करने की अपील की। शरीफ ने कहा कि उन्होंने कहा कि आइए सब एक साथ आएं और नेशनल असेंबली को कश्मीरियों और फिलिस्तीनियों की आजादी के लिए एक प्रस्ताव पारित करना चाहिए।पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के निर्वासित अधिकार कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने शरीफ की आलोचना करते हुए कहा कि वो वास्तव में गलत कर रहे हैं। कश्मीर के बारे में दावे को लेकर राजनीतिक कार्यकर्ता अमजद अयूब मिर्जा ने कहा कि नवनिर्वाचित प्रधान मंत्री इस क्षेत्र के बारे में झूठ फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मानवीय संकट को स्वीकार करने और स्वीकार करने की हिम्मत नहीं है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में लोग बड़े पैमाने पर भूख से मर रहे हैं। कश्मीर राग पाकिस्तानी सेना का एजेंडा है इसलिए खिचड़ी सरकार के मुखिया और सेना के प्यादे शहबाज शरीफ भी वही बोल रहे हैं जो पाकिस्तानी फौज चाह रही है। शहबाज शरीफ की सोच कटोरा लेकर भीख मांगने से ज्यादा कुछ नहीं है। इसलिए पीएम बनते ही कश्मीर राग के जरिए उन्होंने पाकिस्तानी जनता का ध्यान बांटने की कोशिश की। लेकिन पीओके की आवाम ने शहबाज

धर्मशाला टेस्ट से पहले टीम इंडिया के स्पिनर ने लिया संन्यास, महज दो मेच खेले हैं

भारत के प्रमुख स्पिनर शाहबाज नदीम ने सभी अंतर्राष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। धीमे बाएं हाथ के स्पिनर ने भारत के लिए सिर्फ दो टेस्ट मैच खेले हैं। नदीम ने 140 फर्स्ट क्लास मैचों में 542 विकेटों की प्रभावशाली संख्या के साथ अपना करियर समाप्त किया।झारखंड के प्रमुख स्पिनर और भारत के अंतर्राष्ट्रीय शाहबाज नदीम ने सभी अंतर्राष्ट्रीय और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की है। धीमे बाएं हाथ के स्पिनर ने भारत के लिए सिर्फ दो टेस्ट मैच खेले हैं। नदीम ने 140 फर्स्ट क्लास मैचों में 542 विकेटों की प्रभावशाली संख्या के साथ अपना करियर समाप्त किया। शाहबाज नदीम के मन में पिछले कुछ समय से रिटायरमेंट के विचार चल रहे थे। लेकिन अब जब उनके भारतीय टीम के लिए खेलने की संभावना लगभग खत्म हो गई है, तो स्पिनर इसे युवा पीढ़ी के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का सही समय मानते हैं। उन्होंने कहा कि, मैं लंबे समय से अपने संन्यास पर विचार कर रहा था और अब मैंने फैसला किया है कि मैं तीनों फॉर्मेट से संन्यास ले रहा हूं। मुझे हमेशा लगता है कि जब आपके पास कुछ प्रेरणा होती है तो आप खुद को अच्छा प्रदर्शन

करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। हालांकि, अब मुझे पता है कि मुझे भारतीय टीम में मौका नहीं मिलेगा, इसलिए बेहतर होगा कि मैं युवा क्रिकेटरों को मौका दूं। अब मैं दुनिया भर की टी20 लीगों में खेलने की भी योजना बना रहा हूं। स्पिनर ने 2019 में रांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम में डेब्यू करते हुए भारत के लिए महज दो टेस्ट खेले जिसमें उन्होंने 8 विकेट अपने नाम किए। वहीं उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4ध्40 रहा।

पूर्व न्यूजीलैंड बल्लेबाज रोस टेलर ने किया खुलासा, कहा नील वेगनेर को संन्यास लेने पर मजबूर किया गया

टेलर ने ईएसपीएन के 'अराउंड द विकेट' पॉडकास्ट में कहा ,'' अब समझ में आ रहा है। उसे संन्यास लेने पर मजबूर किया गया। वेगनेर की प्रेस कांफ्रेंस सुने तो पता चलता है। वह संन्यास लेने वाला था लेकिन आखिरी टेस्ट के बाद। वह इस श्रृंखला के लिये उपलब्ध था।''वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज रोस टेलर ने कीवी खेमे में परेशानी का संकेत देते हुए कहा है कि तेज गेंदबाज नील वेगनेर को संन्यास लेने को मजबूर किया गया। वेगनेर ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से पूर्व जज्बाती प्रेस कांफ्रेंस में संन्यास का ऐलान किया। उन्हें बता दिया गया था कि उन्हें अंतिम एकादश में नहीं चुना जायेगा। 37 वर्ष के वेगनेर हालांकि पहले टेस्ट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतरे और ड्रिंक्स भी लेकर आये। टेलर ने ईएसपीएन के 'अराउंड द विकेट' पॉडकास्ट में कहा ,'' अब समझ में आ रहा है। उसे संन्यास लेने पर मजबूर किया गया। वेगनेर की प्रेस कांफ्रेंस सुने तो पता चलता है। वह संन्यास लेने वाला था लेकिन आखिरी टेस्ट के बाद। वह इस श्रृंखला के लिये उपलब्ध था।'' उन्होंने कहा ,'' उसके बाद उसे चुना नहीं गया। भविष्य के लिये सोचना सही है लेकिन आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में हर हालत में जीत के लिये मैं नील वेगनेर पर भरोसा करता। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज चौन की सांस ले रहे होंगे कि वह टीम में नहीं है।'' वेगनेर को दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिये चुना गया था लेकिन मुख्य कोच गैरी स्टीड ने उसे बता दिया था कि वह एक भी मैच नहीं खेलेगा।

रोहित शर्मा और कोच द्रविड़ ने रायल अंदाज में की धर्मशाला में एंट्री, हेलीकाप्टर से पहुंचे मैच वेन्यू

धर्मशाला में भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच 7 मार्च से खेला जाएगा। इस मैच के लिए भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ हेलीकॉप्टर से धर्मशाला पहुंचे। एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो में रोहित को मंगलवार 5 मार्च को धर्मशाला में एक हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से बाहर आते देखा गया। भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में पांचवां टेस्ट मैच 7 मार्च से खेला जाएगा। इस मैच के लिए भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ हेलीकॉप्टर से धर्मशाला पहुंचे। एक्स पर शेयर किए गए एक

वीडियो में रोहित को मंगलवार 5 मार्च को धर्मशाला में एक हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर से बाहर आते देखा गया।

वहीं भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ी पहले ही धर्मशाला पहुंच चुके हैं। रोहित ने भी टीम को ज्वाइन किया। 36 वर्षीय भारतीय कप्तान टीम को पांच विकेट से जीत दिलाकर टेस्ट सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त दिलाने के बाद मिनी ब्रेक पर थे। वह गुजरात के जामनगर में अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के तीन दिवसीय प्री– वेडिंग उत्सव में हिस्सा लिया था। बता दें कि, अनंत अंबानी की शादी से पहले के उत्सव में रोहित शर्मा अपनी पत्नी रितिका के साथ मौजूद थे। इस कार्यक्रम में स्टार क्रिकेटरों, राजनेताओं, अभिनेताओं, गायकों और व्यवसायियों सहित कई अन्य ने शिरकत की। इसके साथ ही अब रोहित शर्मा एंड कंपनी पांचवें टेस्ट में भारत को एक और जीत दिलाने की कोशिश करेंगे। रोहित ने बल्ले से सीरीज में आठ पारियों में 37.12 की औसत से 297 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

सरफराज खान के पिता के नाम पर हो रही ठगी, लोगों से की ये अपील

सरफराज खान के पिता क्रिकेट कोच हैं और उन्होंने अपने दोनों बेटों को क्रिकेटर बनाने का सोचा। सरफराज खान ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया तो दूसरे बेटे मुशीर खान ने भी हाल ही में अंडर 19 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन किया है।सरफराज खान के पिता ने वीडियो शेयर कर बताया कि उनके नाम का इस्तेमाल करके कुछ ठग बच्चों से आईपीएल या क्रिकेट टीम में सिलेक्शन के नाम पर पैसे ले रहे हैं। बता दें कि, सरफराज खान के पिता क्रिकेट कोच हैं और उन्होंने अपने दोनों बेटों को क्रिकेटर बनाने का सोचा। सरफराज खान ने इंग्लैंड के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू किया तो दूसरे बेटे

मुशीर खान ने भी हाल ही में अंडर 19 वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन किया है। सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर खान ने इंस्टाग्राम पर पिता नौशाद खान का वीडियो शेयर किया, जिसमें वह बच्चों को सतर्क रहने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि वह अभी किसी टीम से नहीं जुड़े हैं। नौशाद खान ने वीडियो में कहा, ष्मैं एक बार फिर आपके सामने आया हूं क्योंकि, मेरे नाम से नौशाद खान से कुछ लोगों ने फेक आईडी बनाई है। इंस्टाग्राम पेज, फेसबुक पेज आदी पर। और बच्चों से आईपीएल के अंदर, नेट बॉलर के नाम पर या कहीं अकादमी या स्टेट टीम सिलेक्शन के नाम पर पैसे मांग रहे हैं। इनके चक्कर में ना पढ़े, अपनी मेहनत पर भरोसा करें। मैं अभी किसी भी आईपीएल टीम के साथ नहीं जुड़ा हूं और ना ही कहीं कोचिंग करने जाता हूं। तो मेहरबानी करके इन चक्करों में ना पढ़े, धन्यवाद। सरफराज खान ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेब्यू किया था। उन्होंने डेब्यू टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक जड़े थे। वह ऐसा करने वाले भारत के चौथे खिलाड़ी बने। हालांकि, अपने दूसरे टेस्ट में वह दोनों पारियों में कुछ खास नहीं कर पाए। पहली पारी में 14 के बाद दूसरी पारी में वह खाता भी नहीं खोल पाए। वह टीम के साथ धर्मशाला पहुंच गए हैं। जहां पांचवां और सीरीज का आखिरी टेस्ट खेला जाएगा।

जो बेस्ट होगा, मैं उसी तरह खेलूंगा, आलोचना के बाद भी बैजबाल पर टिके

इंग्लैंड टीम के बैजबॉल की काफी आलोचना हुई। वहीं इसके साथ ही इंग्लिश टीम के बेहतरीन बल्लेबाज जो रूट को भी बैजबॉल के कारण काफी आलोचना झेलनी पड़ी। लेकिन रांची टेस्ट के दौरान रूट अपने पुराने अंदाज में दिखे और इस दौरान उन्होंने शतक भी लगाया। अब रूट ने कहा कि वह उस तरह खेलते रहेंगे जो उनको बेस्ट लगता है।इंग्लैंड टीम वर्तमान में भारत दौरे पर हैं। जहां उसे भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों में से तीन टेस्ट गंवाने पड़े। इसके साथ ही इंग्लिश टीम सीरीज भी गंवा चुकी है। इस दौरान इंग्लैंड टीम के बैजबॉल की काफी आलोचना हुई। वहीं इसके साथ ही इंग्लिश टीम के बेहतरीन बल्लेबाज जो रूट को भी बैजबॉल के कारण काफी आलोचना झेलनी पड़ी। लेकिन रांची टेस्ट के दौरान रूट अपने पुराने अंदाज में दिखे और इस दौरान उन्होंने शतक भी लगाया।

अब रूट ने कहा कि वह उस तरह खेलते रहेंगे जो उनको बेस्ट लगता है। एक तरह से उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वे बैजबॉल पर ही टिके रहेंगे। धर्मशाला में खेले जाने वाले आखिरी टेस्ट मैच से पहले स्काई स्पोर्ट्स से बात करते हुए जो रूट ने कहा कि, मुझे खुद से काफी उम्मीदें हैं और पिछले टेस्ट मैच तक मैं जहां होना चाहता था, उससे काफी नीचे था। मुझे रनों की कमी महसूस हो रही थी, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैंने योगदान नहीं दिया है कि मैं खुद से किस तरह की उम्मीद करना पसंद है और मुझे पिछले दौरो पर भी सफलता मिली है। रूट इस सीरीज में ऑउट ऑफ फॉर्म (एक शतक को छोड़कर) में नजर आए। इंग्लैंड के महान बल्लेबाज ने आगे कहा कि, वह आलोचकों के बारे में चिंतित नहीं होते। उन्होंने कहा कि, लोगों की अपनी–अपनी राय होगी कि मैं इस सीरीज में कैसे खेला हूं और मेरे लिए सबसे अच्छा क्या है। मैं उस तरह से खेलना जारी रखूंगा जो मुझे किसी भी स्थिति के लिए सबसे अच्छा लगता है। कोई भी मेरे खेल को उतना अच्छा नहीं जानता, जितना मैं जानता हूं।

धर्मशाला में टीम इंडिया ने किया अभ्यास, बुमराह ने भी नेट्स पर बहाया पसीना

धर्मशाला में होने वाले भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवें टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम ने मंगलवार को जमकर अभ्यास किया। आखिरी मुकाबले से पहले भारत का यहां पहला नेट सेशन रहा। जिसमें युवा बल्लेबाजों पर मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की पैनी नजर रही। साथ ही जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप की पेस जोड़ी ने लंबा समय नेट पर बिताया है। भारत और इंग्लैंड के बीच धर्मशाला में होने वाले पांचवें टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम ने मंगलवार को जमकर अभ्यास किया। आखिरी मुकाबले से पहले भारत का यहां पहला नेट सेशन रहा। जिसमें युवा बल्लेबाजों पर मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की पैनी नजर रही। साथ ही जसप्रीत बुमराह और आकाश

दीप की पेस जोड़ी ने लंबा समय नेट पर बिताया है। धर्मशाला में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की हेलिकॉप्टर से स्पेशल एंट्री के बाद नेट सेशन शुरू किया गया। युवा जोड़ी शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने नेट पर अच्छा समय बिताया। इस दौरान शुभमन गिल ने कुछ लंबे शॉट भी खेले। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने जायसवाल और गिल पर खास तौर से अपनी नजर रखी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप ने भी युवाओं को लंबे स्पेल डाले। इस बीच बल्लेबाजों को धर्मशाला के विकेट को देखते हुए तेज गेंदबाजी का अभ्यास मुख्य रूप से कराया गया है। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने भी नेट पर स्पेल कराया।

सिर्फ पांच फीसदी वजन घटाया तो कम हो जाएगा इन बीमारियों का खतरा, दिल और लिवर को मिलेगी राहत

पिछले कुछ दशकों में बढ़ता वजन यानी मोटापा एक महामारी की तरह फैला है. बदला हुआ लाइफस्टाइल और फिजिकल एक्टिविटीज की कमी के चलते ज्यादातर लोग वजन पर काबू नहीं कर पाते और वेट गेन होने लगता है. देखा जाए तो वेट गेन ऐसी मेडिकल कंडीशन है जो शरीर को कई तरह की बीमारियों का घर बना देती है. मोटापे की रोकथाम और जनता को इस संबंध में जागरुक करने के लिए आज दुनिया भर में वर्ल्ड ओबेसिटी डे मनाया जा रहा है.मोटापे को लेकर क्या कहती है रिसर्चहाल ही में की गई एक रिसर्च कहती है कि विश्व में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है. ऐसे में अगर हम अपना वजन घटाने के लिए जागरुक होते हैं तो कई बीमारियों का रिस्क कम हो सकता है. चलिए जानते हैं कि अगर हम पांच फीसदी वजन भी घटाने में कामयाब होते हैं तो किन बीमारियों का खतरा कम हो सकता है.वजन घटाने पर इन

बीमारियों का रिस्क होगा कम

तेजी से बढ़ता वजन ना केवल व्यक्ति की फिजिटल फिटनेस पर बुरा असर डालता है बल्कि इससे कई बड़ी बीमारियां शरीर पर हमला कर सकती हैं. आपको बता दें कि मोटापा हाई बीपी, हाई कोलेस्ट्रॉल का कारण बनता है जिससे व्यक्ति हार्ट डिजीज, डायबिटीज, फैटी लिवर, कैंसर, स्ट्रेस, एंजाइटी, पित्ताशय की डिजीज और स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारा कि शिकार हो सकता है.ऐसे में अगर आपको इन बीमारियों का रिस्क कम करना है तो आपको आज से ही अपने वजन पर कंट्रोल करना शुरू कर देना चाहिए. यकीन मानिए कि अगर आप अपना पांच फीसदी वजन भी कम करेंगे तो हार्ट डिजीज, डायबिटीज, स्ट्रोक और फैटी लिवर जैसी बीमारियों का रिस्क खुद ब खुद कम हो जाएगा. मोटापा दरअसल हाई कोलेस्ट्रॉल बनाता है जिसकी वजह से ये बीमारियां जल्द अटैक करती हैं.कैसे कम करें मोटापा लाइफस्टाइल में बदलाव करने के साथ साथ फिजिकल एक्टिविटीज बढ़ाकर आप अपने बढ़ते वजन पर कंट्रोल कर सकते हैं. अपनी डाइट में फाइबर को शामिल करें. ताजे फल और सब्जियों का ज्यादा सेवन करें. फास्ट और प्रिजरवेटिव फूड को अपनी डाइट से निकाल फेंके. चावल, चीनी, मैदा आदि से दूरी बनाकर रखें. अपने भोजन में कम तेल का प्रयोग करके भी आप वजन घटा सकते हैं. नियमित तौर पर एक्सरसाइज की आदत डालें. जिम जाने की बजाय आप वॉकिंग,ब्रिस्क वॉकिंग, रनिंग, साइकिलिंग, रस्सी कूद या फिर सीढियों का प्रयोग करके भी अपना वजन कम कर सकते हैं.

हल्के में ना लें सिरदर्द, हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां, जानें राहत पाने के उपाय

सिरदर्द एक आम समस्या मानी जाती है लेकिन अगर इससे ज्यादा दिन से परेशान हैं तो सावधान हो जाइए, क्योंकि जब कई दिनों तक सिरदर्द (ध्द्गड्डस्रड्डष्द्धद्ग) ठीक न हो तो वह गंभीर रूप भी ले सकती है. इसका कारण कई खतरनाक बीमारी भी हो सकती है. ऐसे में डॉक्टर के पास जाने की नौबत आ सकती है. इसलिए सिरदर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. आइए जानते हैं सिरदर्द के क्या कारण हो सकते हैं और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए...

सिरदर्द का गंभीर कारण

बुखार के साथ सिरदर्द

कई बार बुखार के साथ सिरदर्द या गर्दन में अकडन की वजह से भी होती है. यह इंसेफेलाइटिस या मेनिन्जाइटिस के संकेत भी हो सकते हैं. जिसे दिमागी बुखार या मस्तिष्क ज्वर भी कहा जाता है.

यह एक संक्रामक बीमारी है, जिसमें मेनिन्जेस में सूजन आ जाती है. इस तरह का

सिरदर्द खतरनाक भी हो सकता है. ऐसे लोग जिन्हें डायबिटीज या उनकी इम्यूनिटी कमजोर है, उनके लिए यह जानलेवा भी हो सकती है. इसलिए समय रहते इसका इलाज करवाना चाहिए.

माइग्रेन या क्लस्टर हेडेक

क्लस्टर हेडेक या माइग्रेन से होने वाला सिरदर्द अलग होता है. माइग्रेन की वजह से सिर के किसी एक हिस्से में काफी तेज दर्द होता है. इसमें उल्टी या मिचली भी आती है. कई बार यह दर्द इतना ज्यादा होता है कि नींद खुल जाती है. यह समस्या 20 से 50 साल की उम्र वालों में ज्यादा देखने को मिलता है. कई बार ब्रेन ट्यूमर, स्लीप एपनिया और हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की वजह से भी सिरदर्द होता है.

स्ट्रेस की वजह से सिरदर्द

स्ट्रेस यानी तनाव की वजह से भी सिरदर्द की समस्या होती है. इसमें सिरदर्द अचानक से होता है और फिर खुद से ही ठीक हो जाता है. हालांकि, तनाव से होने वाले दर्द में कोई दूसरा लक्षण नहीं दिखाई देता लेकिन इसे भी हल्के में नहीं लेना चाहिए.

थंडर क्लैप सिरदर्द

थंडरक्लैप सिरदर्द काफी गंभीर बीमारी है. इसमें कुछ ही सेकेंडस में ही तेज दर्द होने लगता है. कई बार स्ट्रोक, आर्टरीज के डैमेज होने या सिर में चोट की वजह से भी दर्द हो सकता है. कई बार ये दर्द सिर से पीठ की तरफ बढ़ जाता है और कई–कई घंटों तक बना रहता है. थंडर क्लैप सिरदर्द की वजह से मिचली, बेहोशी और चक्कर आने की समस्याएं हो सकती हैं. हाई ब्लड प्रेशर वालों को यह दर्द ज्यादा परेशान कर सकता है.

साइनस सिरदर्द

सिर में साइनस या कैविटी में सूजन आने के कारण भी कई बार सिर में तेज दर्द होता है. यह दर्द लगातार होता रहता है. इसमें सिरदर्द के अलावा नाक के ऊपरी हिस्से या गाल की हड्डी पर भी दर्द हो सकता ह. इसकी वजह से चेहरे पर सूजन, कान बंद होना, बुखार और नाक बहने जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं.

आंखों की बीमारी से सिरदर्द

अजय देवगन की शैतान की एडवांस बुकिंग शुरू, 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देगी फिल्म

अजय देवगन और आर माधवन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म शैतान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं।दर्शकों को इस हॉरर थ्रिलर फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, जो जल्द खत्म होने वाला है। यह फिल्म 8 मार्च को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।ताजा खबर यह है कि शैतान की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। निर्माताओं ने एक वीडियो साझा कर खुद इस खबर की जानकारी दी है।शैतान में दक्षिण भारतीय सिनेमा का जानी–मानी अभिनेत्री ज्योतिका भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें ज्योतिका फिल्म की एडवांस बुकिंग शुरू होने की जानकारी देती हुई नजर आ रही हैं।इस फिल्म को जियो स्टूडियो, पैनोरमा स्टूडियो और देवगन फिल्म्स ने मिलकर बनाया है।फिल्म के निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है। इसकी कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।पहले लिमिटेड लोकेशन पर फिल्म के लिए प्री टिकट बुकिंग खोली गई थी, लेकिन बीते दिनों ऑनलाइन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म पर कुछ और शो जोड़े गए। एडवांस बुकिंग में शैतान के पहले दिन के कलेक्शन की बात करें, तो सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म की तकरीबन 16 हजार टिकटें बिक चुकी हैं।शैतान गुजराती थ्रिलर फिल्म वश का रीमेक है। मूवी में आर माधवन ने नेगेटिव रोल प्ले किया है, जो अजय देवगन की बेटी बनी जानकी बोदीवाला को अपने वश में कर लेता है। इसके जरिये वह जाह्नवी (जानकी बोदीवाला) से उसके परिवार पर कई जुल्म ढहाता है। इस शैतान की शैतानियों शक्तियों का असर पिता बने अजय देवगन कैसे खत्म रते हैं, फिल्म में ये दिखाया गया है।

एक्शन से भरपूर योद्धा का बिहाइंड द सीन वीडियो आया सामने, स्टंट करते दिखे सिद्धार्थ मल्होत्रा

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म योद्धाय को लेकर खबरों में हैं। पुष्कर ओझा और सागर अंब्रे के निर्देशन में बनी एक्शन थ्रिलर फिल्म योद्धाय मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। ये फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इस फिल्म से एक बिहाइंड द सीन वीडियो शेयर किया है। वीडियो में सिद्धार्थ एक्शन करते हुए नजर आ रहें हैं। साथ ही उन्होंने योद्धा में अपने किरदार की तैयारी पर भी चर्चा की है। आपको बता दें कि एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर अपनी आने वाली फिल्म योद्धा का एक बीटीएस वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सिद्धार्थ ने अपने किरदार के लिए की गई कठोर तैयारी को दिखाया है, जिसमें कई मुश्किल स्टंट करते नजर आ रहें हैं। योद्धा के बिहाइंड द सीन वीडियो में सिद्धार्थ ने यह बताया है उन्होंने अपने किरदार में फिट होने के लिए अपना वजन भी कम किया है।

इस वीडियो में एक्शन से भरपूर थ्रिलर फिल्म में अपनी भूमिका के लिए अनूठी तैयारी से गुजरने के बारे में बताया है। सिद्धार्थ ने इस वीडियो को शेयर करने के साथ कैप्शन भी दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा, लाइट्स, कैमरा और बिहाइंड द एक्शन। अरुण कात्याल और बाकी सब योद्धा बनना।

बता दें कि यह फिल्म एक विमान अपहरण और उसके बाद बचाव अभियान की कहानी बताती है। दरअसल, कुछ दिनों पहले करण जौहर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें फ्लाइट में ट्रेलर देखने

लापता लेडीज की कमाई में 140 प्रतिशत का तगड़ा उछाल, आपरेशनल वैलेंटाइन पहले वीकेंड में नहीं जमा पाई रंग

किरण राव की लापता लेडीज ने रविवार को कमाल कर दिया। ओपनिंग डे के मुकाबले फिल्म की कमाई में तीसरे दिन 140 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दूसरी ओर, वरुण तेज की ऑपरेशनल वैलेंटाइन को फाइटर का दंश झेलना पड़ रहा है, जबकि कागज 2 और दंगे डिजास्टर साबित हुई हैं।जैसी उम्मीद थी, वहीं हुआ। किरण राव के डायरेक्शन में बनी लापता लेडीज ने तारीफ और वर्ड ऑफ माउथ के बूते वीकेंड में कमाल कर दिया है। जाहिर है, फिर से बंपर कमाई की उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन अपने पहले वीकेंड में फिल्म की कमाई में तगड़ा उछाल देखने को मिला है। रविवार को रिलीज के तीसरे दिन फिल्म ने ओपनिंग डे के मुकाबले 140 प्रतिशत अधिक का कारोबार किया है। जरूर ये है कि अब इस बढ़त को वीकडेज में भी जारी रखा जाए। दूसरी ओर, वरुण तेज और मानुषी छिल्लर की ऑपरेशन वैलेंटाइन का हाल बहुत अच्छा नहीं है। जबकि दिवंगत सतीश कौशिक की कागज 2 और हर्षवर्धन राणे की दंगे बुरी तरह पिट गई हैं। ये चारों फिल्में शुक्रवार, 1 मार्च 2024 को रिलीज हुई हैं।स्पर्श श्रीवास्तव, प्रतिभा रांटा और नितांशी गोयल की लापता लेडीज ने दर्शकों के दिल को छुआ है। जो भी लोग फिल्म देखकर निकल रहे हैं, तारीफ जरूर कर रहे हैं। इसका असर बॉक्स ऑफिस पर भी दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को ओपनिंग डे पर जहां इस फिल्म ने 75 लाख रुपये कमाए थे, वहीं शनिवार को इसकी कमाई बढ़कर 1.45 करोड़ रुपये हो गई। जबकि रविवार को फिल्म ने ओपनिंग डे के मुकाबले 140 प्रतिशत अधिक कमाते हुए 1.80 करोड़ रुपये का बिजनस किया है। इस तरह तीन दिनों में फिल्म ने 4 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है। दूसरी ओर, वरुण तेज और मानुषी छिल्लर की ऑपरेशन वैलेंटाइन हिचकोले ले रही है। बालाकोट एयर स्ट्राइक पर बनी इस फिल्म ने पहले वीकेंड में सिर्फ 5.56 करोड़ रुपये कमाए हैं। ओपनिंग डे पर इसने 1.50 करोड़ रुपये कमाए थे। शनिवार को कमाई बढ़कर 2.15 करोड़ तक पहुंची, लेकिन अगले ही दिन रविवार को यह घटकर 1.91 करोड़ रुपये हो गई है। जाहिर है, ऐसे में सोमवार से फिल्म की कमाई में और गरिावट आने की पूरी संभावना है।

बाक्स आफिस पर आर्टिकल 370 ने मचाया धमाल, वर्ल्डवाइड कलेक्शन 60 करोड़ के पार

यामी गौतम स्टारर श्आर्टिकल 370य सिनेमाघरों में धमाल मचा रही है. ये फिल्म साल 2024 की स्लीपर हिट साबित हुई है. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत की थी और ओपनिंग वीकेंड में ही इसने अपना बजट भी वसूल कर लिया था. हालांकि वीकडेज में इसकी कमाई में उतार–चढ़ाव भी देखा गया लेकिन श्आर्टिकल 370य ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी और अपनी लागत से कई गुना ज्यादा कमाई कर ली.

फिल्म ने रिलीज के दूसरे वीकेंड पर तो बॉक्स ऑफिस पर गर्दा ही उड़ा दिया है. चलिए यहां जानते हैं श्आर्टिकल 370य ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को कितने नोट छापे हैं

यामी गौतम की फिल्म कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने पर बेस्ड है. इस फिल्म में आतंकवाद पर भी चोट की गई है. श्आर्टिकल 370य को क्रिटक्स से अच्छे रिव्यू मिले तो वहीं दर्शकों ने इसे भरपूर प्यार दिया. इसी के साथ फिल्म ने खूब कमाई भी कर ली है. यहां तक कि बॉक्स ऑफिस पर पहले विद्युत जामवाल की श्क्रैक्य और अब आमिर खान प्रोडक्शन हाउस की श्लापता लेडीज्य सहित कई और फिल्मों से टक्कर मिलने के बावजूद श्आर्टिकल 370य शानदार कारोबार कर रही है. दूसरे वीकेंड पर तो यामी गौतम की फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया है. श्आर्टिकल 370य के कलेक्शन की बात करें तो 5.9 करोड़ से खाता खोलने वाली इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 35.6 करोड़ का कलेक्शन किया.

वहीं अब ये रिलीज के दूसरे हफ्ते में हैं. जहां सेकंड फ्राइडे को श्आर्टिकल 370य ने 3 करोड़ कमाए थे तो वहीं दूसरे शनिवार इसकी कमाई में 83.33 फीसदी का उछाल आया और इसने 5.5 करोड़ की कमाई की. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के 10वें दिन यानी सेकंड संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक श्आर्टिकल 370य ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को 6.35 करोड़ का कलेक्शन किया है.

इसी के साथ श्आर्टिकल 370य के 10 दिनों की कुल कमाई 50.45 करोड़ रुपये हो गई है.

आर्टिकल 370य ने घरेलू बाजार में 10 दिनों में हाफ सेंचुरी लगा ली है वहीं वर्ल्डवाइड भी ये फिल्म धूम मचा रही है. फिल्म

को दुनियाभर की ऑडियंस से शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है और इसी के साथ इसने दमदार कलेक्शन भी कर लिया है. यामी गौतम ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म की 9 दिनों की कमाई के शुरुआती आंकड़े शेयर कि हैं. इसके मुताबिक श्आर्टिकल 370य ने रिलीज के 9 दिनों में दुनियाभर में 64.34 करोड़ का कारोबार कर लिया है.श्आर्टिकल 370य को यामी गौतम के पति आदित्य धर ने प्रोड्यूस किया है. वहीं फिल्म का डायरेक्शन आदित्य सुहास जंभाले ने किया है. फिल्म में यामी गौतम ने एक खुफिया अधिकारी का रोल प्ले तिया है. वहीं अरुण गोविल फिल्म में पीएम नरेंद्र मोदी के किरदार में नजर आ रहे हैं. प्रियामणि ने भी श्आर्टिकल 370य में अहम रोल निभाया है. ये फिल्म सिनेमाघरों में 23 फरवरी को रिलीज हुई थी.

आर्टिकल 370 का नया गाना इश्क तेरा जारी, संजीत हेगड़े और शाश्वत सचदेव ने दी आवाज

यामी गौतम, प्रियामणि, अरुण गोविल और किरण करमरकर जैसे सितारों से सजी फिल्म आर्टिकल 370 शुरुआत से बॉक्स ऑफिस कब्जा किए बैठी है। बॉक्स ऑफिस पर आर्टिकल 370 की सफलता के बीच अब निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना इश्क तेरा जारी कर दिया है, जिसे संजीत हेगड़े और शाश्वत सचदेव ने मिलकर गाया है।जियो स्टूडियो ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इश्क तेरा गाना साझा करते हुए लिखा, इश्क जो हुआ तुझसे तो लगा यहीं है, तेरा नाम सच है, बस तू ही सही है।इस गाने के बोल ओशो जैन ने लिखे हैं।आर्टिकल 370 के निर्देशन की कमान आदित्य सुहास जंभाले ने संभाली है तो वहीं फिल्म का निर्माण यामी के पति और निर्देशन आदित्य धर ने किया है।स्कंद ठाकुर और वैभव तत्ववादी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।आर्टिकल 370य के कलेक्शन की बात करें तो 5.9 करोड़ से खाता खोलने वाली इस फिल्म ने पहले हफ्ते में 35.6 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं अब ये रिलीज के दूसरे हफ्ते में हैं. जहां सेकंड फ्राइडे को श्आर्टिकल 370य ने 3 करोड़ कमाए थे तो वहीं दूसरे शनिवार इसकी कमाई में 83.33 फीसदी का उछाल आया और इसने 5.5 करोड़ की कमाई की. वहीं 10वें दिन 6.35 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ श्आर्टिकल 370य के 10 दिनों की कुल कमाई 50.45 करोड़ रुपये हो गई है. दुनियाभर में 64.34 करोड़ का कारोबार कर लिया है.

के लिए यात्रियों को टैबलेट और हेडफोन दिए गए। इसके बाद यात्री उसे देख कर काफी खुश भी हुए।योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा के अलावा एक्ट्रेस दिशा पटानी और राशि खन्ना भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देने वाली हैं। हाल ही में इसका पहला गाना शजिंदगी तेरे नाम्य भी रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में सिद्धार्थ और राशि के बीच की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। ये फिल्म 15 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है।

मलाइका अरोड़ा ने रेड वेलवेट ड्रेस में दिखाईं ऐसी अदाएं, तस्वीरों पर मर-मिटे फैंस

छैयां–छैयां गर्ल मलाइका अरोड़ा हमेशा अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के दिलों पर खंजर चला देता है। इन दिनों एक्ट्रेस को झलक दिखलाजा सीजन 11 में देखा जा रहा है। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में ग्रैंड फिनाले की शूटिंग के लिए रेड कलर का वन साइड ऑफ शोल्डर ड्रेस पहना हुआ था, जिसमें वो काफी गॉर्जियस लग रही थीं।बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा की 50 साल की उम्र में भी बी–टाउन के स्टार किड्स को मात देती हैं। उनका बोल्ड लुक हमेशा फैंस के बीच चर्चाओं का विषय बना रहता है।

हाल ही में एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने लेटेस्ट इंस्टाग्राम पर रेड ऑफ शोल्डर आउटफिट में फोटोज पोस्ट किए हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट एंड सेक्सी लुक इंटरनेट का पारा गर्म कर रहा है।बता दें कि मलाइका अरोड़ा झलक दिखलाजा सीजन 11 की होस्ट हैं। और इन दिनों फिनाले होस्ट कर रही हैं। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस का रेड ड्रेस वाला स्टाइलिश अवतार एक बार फिर से चर्चा में आ गया है।मलाइका अरोड़ा अपनी इन फोटोज में कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सेंशुअस अदाओं में पोज देते हुए फोटोशूट करवाती नजर आ रही हैं। उनके रेड आउटफिट में लगा हुआ फूल उनके इस आउटफिट को और क्लासी बना रहा है।एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं।हालांकि इन फोटोज पर भी कई यूजर्स कॉमेंट् कर रहे हैं। एक ने लिखा है– तुम हुस्न परी तुम जाने जहां... वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है– कयामत हो तुम। फिर तीसरे यूजर ने लिखा है– सो गॉर्जियस।बता दें कि मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं

निकिता रावल कमरिया में अपने अद्वितीय फ्यूजन लक से मंत्रमग्ध करने के लिए तैयार

प्रसिद्ध अभिनेत्री निकिता रावल बहुप्रतीक्षित गीत कमरिया में अपने अद्वितीय फ्यूजन लुक से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं। राजस्थानी संस्कृति के समृद्ध सौंदर्यशास्त्र को अरब प्रभाव के विदेशी आकर्षण के साथ जोड़ते हुए गीत में रावल की उपस्थिति किसी अन्य की तरह एक दृश्य मनोरंजन का वादा करती है।

रावल की शानदार पोशाक और जटिल रूप से तैयार किए गए आभूषण राजस्थानी और अरबी दोनों परंपराओं के तत्वों को सहजता से मिश्रित करते हैं, एक अद्वितीय और मनोरम सौंदर्य का निर्माण करते हैं जो गाने की थीम से पूरी तरह मेल खाता है। उनका चित्रण रेगिस्तानी परिदृश्यों का सार, लालित्य, अनुग्रह और कालातीत सुंदरता का प्रतीक है।

अपनी अद्वितीय शैली और करिश्मा के साथा, निकिता रावल कमरिया में अपने असाधारण प्रदर्शन के साथ दुनिया भर के दर्शकों पर एक अमिट छाप छोडने के लिए तैयार हैं।मैं कमरिया के लिए अपने लुक में राजस्थानी और अरब संस्कृतियों के जीवंत सार को एक साथ लाने के लिए रोमांचित हूं। यह एक अनोखा मिश्रण है जो वास्तव में विविधता की सुंदरता का जश्न मनाता है और गाने में एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला आकर्षण जोड़ता है निकिता कहती हैं।

करो या मरो, देशभक्ति से लबरेज ऐ वतन मेरे वतन का ट्रेलर रिलीज, देश की खातिर रेडियो जाकी बनीं सारा अली खान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म श्ऐ वतन मेरे वतनय्य को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। बता दें कि इस साल सारा अली खीन अपने फैंस को कुछ धमाकेदार और असल कहानियों से प्रेरित फिल्में दिखाने के लिए तैयार हैं। साल 2024, मार्च के महीने में उनकी दो फिल्में बैक टू बैक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के लिए तैयार हैं। इनमें एक श्मर्डर मुबारकय्य है और दूसरी श्ऐ वतन मेरे वतनय्य है, जिसका ट्रेलर आज रिलीज कर दिया गया है।

आपको बता दें कि इस फिल्म का ट्रेलर करण जौहर ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस मूवी में सारा उस जाबांज महिला की कहानी दिखाएंगी, जिन्होंने रेडियो से अंग्रेजों की हालत खराब कर दी थी। इस ट्रेलर में सारा को श्स्वतंत्रता की आखिरी लड़ाईय्य लडने के लिए 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान ब्रिटिश राज के खिलाफ अंडरग्राउंड स्टेशन शुरू करते और इसी के जरिये अंग्रेजों के छक्के छुड़ाते देखा जा सकता है।

श्ऐ वतन मेरे वतनय्य फिल्म में सारा अली खान, उषा मेहता के रोल में नजर आएंगी। उषा मेहता ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान खुफिया रेडियो स्टेशन की शुरुआत की थी, जिसके लिए वो पूरे देश में मशहूर भी हुई थीं।सारा अली खान को इस तरह के रोल में देख फैंस उनकी तारीफ कर रहें हैं। ट्रेलर में सारा की पावरफुल परफॉर्मेंस देखने को मिल रही है। ये फिल्म अमेजन प्राइम पर 21 मार्च को रिलीज होगी। वहीं, इससे पहले नेटफ्लिक्स पर

मैदान का ट्रेलर 7 मार्च को रिलीज होगा! की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म का नया पोस्टर

अजय देवगन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म मैदान का एक नया पोस्टर जारी किया और ट्रेलर रिलीज की तारीख का भी खुलासा किया। फिल्म का ट्रेलर 7 मार्च, 2024 को रिलीज होगा। रोमांचक परियोजनाओं की कतार में अजय देवगन की फिल्म मैदान का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। अमित शर्मा द्वारा निर्देशित, यह जीवनी खेल नाटक कोच सैयद अब्दुल रहीम के तहत भारतीय फुटबॉल के स्वर्णिम वर्षों (1952–1962) को एक श्रद्धांजलि है। टीम ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में जीत का जश्न मनाया। 2019 के अंत तक अधिकांश फिल्मांकन पूरा करने के बावजूद, अप्रत्याशित घटनाओं के कारण फिल्म की रिलीज में देरी हुई। अब, अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर एक ताजा पोस्टर साझा किया है, जिसमें ट्रेलर रिलीज की तारीख का खुलासा किया गया है और इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए और अधिक चर्चा शुरू हो गई है।अजय देवगन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी आगामी फिल्म मैदान का एक नया पोस्टर जारी किया और ट्रेलर रिलीज की तारीख का भी खुलासा किया। फिल्म का ट्रेलर 7 मार्च, 2024 को रिलीज होगा।

संदेशखाली प्रकरण में अभाविप ने ममता सरकार का पुतला फूंका

राष्ट्रपति को घटना पर संज्ञान लेने हेतु प्रेषित किया गया ज्ञापन

प्रयागराज(आरएनएस)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा आज छात्रसंघ भवन पर संदेशखाली प्रकरण के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन कर ममता सरकार का पुतला फूंका गया एवं कार्यकर्ताओं द्वारा राष्ट्रपति को जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। अभाविप ने तृणमूल कांग्रेस के नेताओं द्वारा हिंदू घरों से जबरन नाबालिग कन्या व महिलाओं को चिन्हित कर उनका भवपूर्वक अपहरण कर पार्टी कार्यालय में लाकर अत्याचार, दुराचार करने के कृत्यों की कड़े शब्दों में भर्त्सना की है तथा इस संबंध में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। विगत 10 फरवरी को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आनंद बोस के संदेशखाली दौरे के कारण इस वीभत्स शोषण की सच्चाई वृहद् जनमानस के समक्ष आई है। टीएमसी के नेताओं द्वारा हिंदू कन्याओं का अपरहण कर अत्याचार एवं दुराचार करने के अनेक प्रकरण सामने आए हैं, जो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। आज इसी संबंध में अभाविप द्वारा ममता सरकार का पुतला फूंका गया एवं राष्ट्रपति को पत्र लिख राज्य सरकार की प्रकरण में संलिप्तता की केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच करवाने, महिलाओं पर हिंसा एवं उनकी सामूहिक अस्मिता के हनन करने एवं संबंधित प्रकरण की शिकायत हेतु हेल्पलाइन नंबर जारी करने, पीड़ित महिला को निरूशुल्क सहायता उपलब्ध कराने, मनोवैज्ञानिक द्वारा मानसिक रूप से पीड़ित महिलाओं को सहायता दिलवाने एवं भय–मुक्त संदेशखाली बनाने में केंद्रीय बलों की प्रतिनियुक्ति की मांग की है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं इविवि के इकाई अध्यक्ष शिवम सिंह, काशी प्रांत की प्रांत छात्रा कार्य सह–संयोजक जाह्नवी और इलाहबाद विश्वविद्यालय इकाई के इकाई मंत्री आलोक त्रिपाठी ने कहा कि संदेशखाली प्रकरण में बंगाल सरकार की अनेक नेताओं की संलिप्तता दुर्भाग्यपूर्ण है तथा ममता बनर्जी सरकार की महिला विरोधी छवि को उजागर करती है। हिंदू महिलाओं को चिन्हित कर उनके साथ दुराचार के अनेकों प्रकरण सामने आए हैं और सरकारी मशीनरी का इस्तमाल करते हुए इस प्रकरण को समाज से दूर रखने के काफी प्रयत्न किए गए हैं। अभाविप, अपने सामाजिक दायित्व को निभाते हुए प्रकरण को समाज तक पहुंचाने व बहनों को न्याय दिलाने हेतु देशव्यापी आंदोलन कर रही है तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की मांग कर रही है।इस दौरान अभाविप काशी प्रांत सह–मंत्री कार्तिकेय पति त्रिपाठी, इकाई अध्यक्ष शिवम सिंह, आयुष्मान सिंह, राजेश्वरी मौर्य, शिवम शर्मा, विनय यादव, अतुल यादव, विवेक, रित्विक सिंह, हिमांशु त्रिपाठी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम की बदौलत जय सेल्स ने उद्घाटन मुकाबला जीता

रामबाबू पाल एवं मनोज यादव स्मृति प्रयागराज कप टी–20 क्रिकेट प्रतियोगिता

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रथम मिश्र के हरफनमौला खेल (115 रन, नाबाद, 68 गेंद, दस चौके, सात छक्के एवं तीन विकेट) की बदौलत जय सेल्स वॉरियर्स ने दौलत हुसैन इंटर कॉलेज को 98 रन से हराकर स्वर्गीय रामबाबू पाल एवं मनोज यादव स्मृति श्प्रयागराज कपश टी–20 क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया। डीएवी कालेज मैदान पर मंगलवार को खेले गए मैच में टॉस हारकर जय सेल्स वॉरियर्स ने 20 ओवर में चार विकेट पर 209 रन (प्रथम मिश्र 115 नाबाद, त्रिपुरेश सिंह 24, बृजेंद्र त्रिपाठी 23, मोहम्मद हम्माद 2ध्77, अखिलेश यादव 1ध्19, हंसम जायसवाल 1ध्30) बनाए। जवाब में दौलत हुसैन इंटर कॉलेज की पूरी टीम 15.4 ओवर में 111 रन (हंसम जायसवाल 32 नाबाद, हिमांशु द्विवेदी 17, सक्षम अवस्थी 4ध्38, प्रथम मिश्र 3ध्08, राहुल राजपाल 2ध्31) पर सिमट गई।प्रथम मिश्र को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में मोहम्मद आरिफ व अभिषेक मिश्र ने अंपायरिंग और खुर्शीद अहमद ने स्कोरिंग की। इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन सेवानिवृत उपक्रीड़ाधिकारी रमेश पाल ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करके किया। रेलवे के वरिष्ठ क्रिकेटर शैलेंद्र श्रीवास्तव, प्रतियोगिता सचिव प्रशांत खरे एवं रितेश जायसवाल ने अतिथियों का स्वागत, आयोजन सचिव प्रदीप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन एवं जावेद अहमद ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस मौके पर प्रयाग जिमखाना के निदेशक योगेंद्र पाण्डेय, विवेक सिंह, शाहनवाज खान, मोहम्मद रिजवान आदि मौजूद रहे। प्रतियोगिता में बुधवार को प्रयाग क्रिकेट क्लब का मुकाबला श्री सहायक क्रिकेट क्लब से सुबह 10रू00 बजे से होगा।

तीन अप्रैल को आयोजित होगा प्रयाग व्यापार मंडल का होली मिलन समारोह

प्रयागराज(आरएनएस)। इस वर्ष प्रयाग व्यापार मंडल का होली मिलन समारोह 3 अप्रैल को आयोजित किया जाएगा। प्रयाग व्यापार मंडल की कोर कमेटी की मीटिंग प्रयाग व्यापार मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा चावला के कैंप कार्यालय बालसंन चौराहा अभिषेक एन्ड कम्पनी पर आयोजित हुई। जिसमे प्रयाग व्यापार मंडल द्वारा विगत कई वर्षों से परंपरा गत होली का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम कराया जाता रहा है लेकीन कोरोना आपदा की वजह से 2 वर्ष 2020, 2021 नहीं हुआ। 2022 में प्रयाग व्यापार मंडल के कई वरिष्ठ पदाधिकारीयों की 2 वर्षो में कोरोना की वजह से मृत्यु हो गई इसी कारण नहीं कराया गया। 2023 में अध्यक्ष विजय अरोरा अस्वस्थ हो गए अब इस वर्ष सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया की बहुत धूमधाम और हर्षोल्लास से मनाया जायेगा। चूंकि लोकसभा चुनाव सामने है आचार संहिता लागू तब तक हो जायेगी इसलिए यह कार्यक्रम सार्वजनिक रूप से चौक पर ऐतिहासिक नीम के पेड़ के नीचे नहीं हो सकता।इस बार होली मिलन समारोह का कार्यक्रम 3 अप्रैल दिन बुधवार को किसी प्रतिष्ठित स्थान पर निजसंस्थान में आयोजित किया जायेगा कार्यक्रम पूर्ण रूप से गैर राजनैतिक होगा केवल व्यापारी ही अपने परिवार के साथ सम्मिलित होंगे। प्रयाग व्यापार मंडल से संबद्ध इकाइयों जो महानगर प्रयागराज में स्थानीय संगठन हैं उनके अध्यक्ष एवं महामंत्री सपरिवार आमंत्रित रहेंगे कार्यक्रम शाम को आरंभ हो के रात्रि भोजन के पश्चात समाप्त होगा। मीटिंग में मुख्य रूप से प्रयाग व्यापार मंडल के कार्यवाहक अध्यक्ष राणा चावला, महामंत्री सुहैल अहमद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरुण केसरवानी, कोषाध्यक्ष सरदार जतिंदर सिंह बब्बू, सरदार हरजिंदर सिंह विक्की, पार्षद साहिल अरोरा, शाहिद कमाल बबलू, आकाश, निक्की, मोनू चावला, मीडिया प्रभारी मोहम्मद अकरम आदि उपस्थित रहे।

कौशांबी में बौद्घ तीर्थ क्षेत्र स्थापना से पर्यटन को मिलेगी नई पहचान

बौद्ध तीर्थ क्षेत्र स्थापना के अंतर्गत निर्मित हो रहा है बुद्धा थीम पार्क

प्रयागराज(आरएनएस)। बौद्ध नगरी कौशाम्बी को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार नई पहचान दे रही है। अपने अतीत में सभ्यता और समृद्धि का इतिहास समेटे 14 महाजनपद काल में वत्स राज्य की राजधानी कौशांबी को उत्तर प्रदेश का पर्यटन विभाग बौद्ध तीर्थ के रूप में विकसित करने जा रहा है । इसके लिए बुद्धा थीम पार्क के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

प्रयागराज के निकटवर्ती जिले कौशाम्बी की पहचान उसके अतीत के गौरव से रही है । भगवान बुद्ध के समय बौद्ध नगरी कौशांबी की पहचान भारत के 6 सबसे महत्वपूर्ण नगरों में होती थी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार इसे नई पहचान दे रही है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह बताती हैं कि कौशाम्बी के कोसम इनाम गाँव को पर्यटन विभाग बौद्घ तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित कर रहा है। इसे बौद्घ सर्किट से जोड़ने के लिए यहां पर घ2359.55 लाख की लागत से बुद्धा थीम पार्क का विकास किया जा रहा है। इसका प्रस्ताव शासन को भेजा गया था।सरकार की तरफ से इसके लिए घ22 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इसके विकास के लिए इलाके में 11 हेक्टेयर की जमीन भी स्थानीय किसानो से अधिग्रहित की जा चुकी है। किसानों को उनका मुआवजा भी दिया जा चुका है। इस पार्क में ओपन एयर थियेटर, महात्मा बुद्ध के जीवन पर आधारित संग्रहालय, बुद्ध पर आधारित म्यूरल्स, थीमेटिक गेट, कैफेटेरिया और ठहरने के लिए गेस्ट हाउस का निर्माण किया जाएगा।

बौद्घ स्थलों के सतत विकास के लिए इसका व्यवस्थित ढंग से विकास और विस्तार होना भी आवश्यक है। प्रयागराज की क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अपराजिता सिंह के मुताबिक इस पूरे इलाके को बौद्घ संरक्षित क्षेत्र बनाने के लिए इसे प्राधिकरण क्षेत्र घोषित किये जाने की योजना है। पर्यटन विभाग ने शासन को इस क्षेत्र को प्राधिकरण क्षेत्र घोषित करने के लिए प्रस्ताव भी भेजा है। प्राधिकरण क्षेत्र घोषित होने के बाद यहाँ व्यवस्थित निर्माण की योजना लागू की जायेगी। इससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्षेत्र में स्थानीय लोगो को अपने घरो में पेइंग गेस्ट की सुविधा का विकास करने के लिए प्रस्ताव दिया जाएगा जिससे स्थानीय लोगो को रोजगार मिलेगा।

पर्यटकों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन विभाग इस क्षेत्र में टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का विकास कर रहा है। इसके अलावा कोसम इनाम गांव में ही 51 फीट ऊंची महात्मा बुद्ध की कांस्य प्रतिमा का निर्माण किया जा रहा है। ललित कला अकादमी घ125.01लाख की लागत से इसका निर्माण कर रही है।

भव्य दीक्षांत परेड में ली कर्तव्य की शपथ

चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज का सहायक उप निरीक्षक लेखा दीक्षांत परेड एवं शपथ- ग्रहण समारोह आयोजित

प्रयागराज(आरएनएस)। चतुर्थ वाहिनी पीएसी प्रयागराज में सेनानायक महोदय प्रताप गोपेन्द्र (आईपीएस) की उपस्थित में एवं मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक पीएसी कानपुर अनुभाग राजीव नारायण मिश्रा (आईपीएस) की अध्यक्षता में वाहिनी में प्रचलित सहायक उप निरीक्षक (लेखा) में प्रशिक्षणरत 187 प्रशिक्षुओं की अंतः कक्षीय एवं बाह्य कक्षीय परीक्षा के परिणामोपरान्त उत्तीर्ण हुए 186 प्रशिक्षुओं की हर्षोल्लास के साथ भव्य दीक्षांत परेड एवं शपथ – ग्रहण समारोह' का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के आगमन पर सेनानायक द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर वाहिनी की के हॉफ ब्रास बैण्ड टीम द्वारा स्वागत धुन प्रस्तुत कर डीआईजी का अभिवादन किया गया।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि डॉ. मिश्र द्वारा प्रथम परेड कमाण्डर गुलाब सिंह मलिक द्वितीय परेड कमाण्डर जसपाल सिंह एवं तृतीय परेड कमाण्डर अमित मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित दीक्षांत परेड का मान–प्रणाम ग्रहण किया गया। तत्पश्चात परेड का निरीक्षण किया गया तथा उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को कर्तव्य की शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात अंतः कक्षीय विषयों एवं बाह्य कक्षीय परीक्षा में प्रथम स्थान पर रहे पुरुस्कार विजेता प्रशिक्षुओं एवं आरटीसी स्टाफ को प्रसंशा–चिन्ह एवं प्रशस्ति–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वाहिनी में प्रशिक्षुओं का गहन प्रशिक्षण 04 सितंबर 2023 से प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के दौरान वाहिनी के राजपत्रित अधिकारी एवं कुशल प्रशिक्षकों द्वारा अन्तः एवं वाह्य कक्षीय प्रशिक्षण के साथ–साथ फायर सर्विस, प्राथमिक उपचार एवं लेखा संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर अतिथि प्रवक्ताओं के माध्यम से प्रशिक्षण दिलाया गया। प्रशिक्षण के दौरान निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार 9एमएम पिस्टल से फायरिंग भी कराई गई। बड़े हर्ष एवं गौरव का विषय है कि घोषित परिणाम में सभी प्रशिक्षु उत्तीर्ण हुए। इन सहायक उप निरीक्षक (लेखा) की नियुक्ति प्रदेश के विभिन्न जनपदों एवं इकाइयों मे की गई है जहां यह अपनी सेवा देगें। अन्त में मुख्य अतिथि के आशीर्वचन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

इस दौरान एसएसएफ उपसेनानायक सुरेश चन्द्र रावत, सहायक सेनानायक प्रेम प्रकाश , सहायक सेनानायक अब्दुल रज्जाक, निरीक्षक गोपनीय राम प्रकाश गुप्ता, दलनायक विनय कुमार सिंह, दलनाय रवींद्र नाथ, सूबेदार मेजर रवि यादव, सहायक शिविरपाल विपिन कुमार सिंह, आरटीसी प्रभारी जंग बहादुर यादव, एसएसएफ सूबेदार मेजर रावेन्द्र सिंह व मीडिया प्रभारी विजय सिंह सहित समस्त प्रशिक्षक तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनएसएस के विशेष शिविर में छात्राओं ने सीखे योग के गुर

प्रयागराज(आरएनएस)। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 054 द्वारा आयोजित विशेष शिविर के द्वितीय दिवस का शुभारंभ प्रार्थना और लक्ष्य गीत के गायन के साथ हुआ।

विशेष शिविर के कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए योग के क्षेत्र में अट्ठारह वर्ष का अनुभव प्राप्त तथा पतंजलि योगपीठ में योग प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत श्रीमती शुभम सिंह ने योग प्रशिक्षण के द्वारा महिलाओं के मानसिक, शारीरिक एवम् आध्यात्मिक स्वास्थ्य बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डाला और उन्होंने स्वयंसेविकाओं को महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद आसन एवम् प्राणायाम का प्रशिक्षण दिया।

विशेष शिविर के द्वितीय सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से गणतंत्र दिवस शिविर 2024 में प्रतिभाग करने वाली काशी हिन्दू विश्वविद्यालय की स्वयंसेविका मानसी शुक्ला ने अपने अनुभवों को साझा किया तथा राष्ट्रीय सेवा योजना में मिलने वाले अवसरो से स्वयंसेविकाओ को अवगत कराया। तत्पश्चात मार्शल आर्ट्स की कार्यशाला को जारी रखते हुए ताइक्वांडो व कराटे में ब्लैक बेल्ट तथा साउथ एशियन गोल्ड मेडलिस्ट श्रीमती सुचित्रा कुमारी ने स्वयंसेविकाओं को आत्मरक्षा के तरीके सिखाए।

ठाकुर प्रसाद सिंह बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे- देवेंद्र प्रताप सिंह

प्रयागराज(आरएनएस)। हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ0 प्र0, प्रयागराज के तत्वावधान में 'ठाकुर प्रसाद सिंह शताब्दी वर्ष' के अवसर पर आज गाँधी सभागार, हिन्दुस्तानी एकेडेमी उ0 प्र0, प्रयागराज में 'ठाकुर प्रसाद सिंह रू व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंचासीन अतिथियों का सम्मान स्वागत शाल, पुष्पगुच्छ एवं प्रतीक चिह्न देकर एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए एकेडेमी के सचिव देवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि 'ठाकुर प्रसाद सिंह बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी थे। वे कुशल प्रषासक, पत्रकार, निबंधकार, गीतकार के साथ साथ एक उच्चकोटि के आलेचक भी थे। ठाकुर प्रसाद सिंह का जन्म वाराणसी में हुआ था ये वही बनारस है जिसमें साहित्यकारों की एक लम्बी ऋंखला है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. कैलाश नारायण तिवारी पूर्व आचार्य हिन्दी विभाग दिल्ली विष्वविद्यालय दिल्ली ने कहा कि ' ठाकुर प्रसाद सिंह जी जितने कुशल प्रशासक रहे हैं कहीं उनसे ज्यादा एक बड़े साहित्यकार भी रहे हैं। उनकी रचनाएं, उनकी गीत समकालीन परिस्थितियों में आज भी प्रासंगिक है।

संगोष्ठी के सम्मानित वक्ता प्रो. जे.बी. पाण्डेय पूर्व आचार्य हिन्दी विभाग राँची विश्वविद्यालय ने कहा कि 'ठाकुर प्रसाद सिंह हिन्दी नवगीत के यशस्वी हस्ताक्षर हैं। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व बहुआयामी रहा है। भाव और कला दोनों पक्षों से उनका साहित्य वैभवपूर्ण रहा है। बोलना सबको आता है किसी की जुबान बोलती है किसी की नीयत बोलती है, किसी का समय बोलता है। परन्तु जीवन के अंत में ईष्वर के सामने तो बस व्यक्ति का कर्म बोलता है। संगोष्ठी का संचलान डॉ. जी गणेशन मिश्र ने एंव कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन एकेडेमी के प्रशासनिक अधिकारी गोपालजी पाण्डेय ने किया।कार्यक्रम में उपस्थित विद्वानों में दुर्गेश कुमार सिंह, प्रो. शिवप्रसाद शुक्ल, रामनरेश तिवारी 'पिण्डीवासा', शाम्भवी, आदि के साथ शहर के अन्य रचनाकार एवं शोध छात्र भी उपस्थित थे।

मंयक के शतक से हरियाणा क्रिकेट अकादमी सेमीफाइनल में

प्रयागराज(आरएनएस)। हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने रिजवी कप के लिए आयोजित 14वीं आबिश एवं शाकिब रिजवी स्मारक ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतिम क्वाटर फाइनल मैच में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मेरठ को 101 रन से हराकर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई है, जहाँ उनका मुकाबला क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ से बुधवार को खेला जाएगा। विजेता टीम के मयंक शांडिल्य के नाबाद आतिशी शतक (138 रन, 101 गेंद, आठ चौके, आठ छक्के) पारी खेल अपनी टीम को जीत दिलाई है। मंगलवार को रिजवी कॉलेज मैदान पर टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हरियाणा क्रिकेट अकादमी ने 40 ओवर में चार विकेट पर 273 रन (मंयक शांडिल्य नाबाद 138, पार्थ नागिल 68, जसमीत जैन 24 अविजित रन, अंकुर चौहान 1ध्38, शिवम उज्जवल 1ध्46, सुनील कुमार 1ध्47, विकास सिंह 1ध्57) पर बनाए। जवाब में डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन मेरठ की पूरी टीम 34.3 ओवर में 172 रन (सुनील कुमार 53, अंकुर मालिक 40, यशु प्रधान 21 रन, कबीर विश्नोई 3ध्27, जसमीत नैन 3ध्33, जय शर्मा 2ध्27, ओमकार नामदेव 1ध्24) पर सिमट गई। मैच के बाद क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के कोच शोएब कमाल ने मयंक शांडिल्य को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया। मैच में रोहित यादव व मो. आदिल ने अंपायरिंग और मो. कासिम व प्रितेश सोनकर ने स्कोरिंग की। प्रतियोगिता में बुधवार को हरियाणा क्रिकेट अकादमी व क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के बीच दूसरा सेमीफाइनल मैच सुबह साढ़े नौ बजे से खेला जाएगा।

अन्तिम स्नान पर्व पर मेला पुलिस नें कसी कमर

प्रयागराज(आरएनएस)। माघ मेला–2024 के छठवें व अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि को सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न कराये जाने हेतु आज रिजर्व पुलिस लाइन्स के मानसरोवर सभागार में आयोजित ब्रीफिंग गोष्ठी में उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से वार्ता करते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक डॉ0 राजीव नारायण मिश्र आईपीएस के द्वारा ड्यूटी के सम्बंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गये द्य साथ ही उक्त कर्मियों को अति शीघ्र निवारण हेतु सर्व–सम्बंधित को निर्देशित किया गया एवं सभी थाना प्रभारी को अवगत कराया गया कि महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर सभी अपने–अपने क्षेत्र में सतर्क दृष्टि बनाए रखेंगे किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं होने देंगे व महाशिवरात्रि स्नान पर्व को सकुशल संपन्न कराने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। ब्रीफिंग के बाद डीआईजी द्वारा सर्वप्रथम संगम नोज पहुंचकर स्नान घाटो का स्थलीय निरीक्षण किया गया एवं गहराई का आकलन कराया गया। साथ ही प्रतिबंधित स्नान घाटों पर बैरिकेडिंग एवं पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाए जाने हेतु जल पुलिस प्रभारी, संगम प्रभारी को निर्देशित किया गया इस दौरान प्रभारी द्वारा मेला क्षेत्र में बनें पार्किंग स्थलों पर पहुंचकर यातायात प्रभारी से वार्ता की गई एवं अवगत कराया गया कि महाशिवरात्रि पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं व स्नानार्थियों को वाहनों के साथ संगम स्नान हेतु संगम के पास नयी पार्किंग स्थल तक पहुंचने में किसी भी प्रकार की कोई कठिनाई न हो। साथ ही साथ पुलिस उपमहानिरीक्षक द्वारा मेला क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी शिव मंदिरों का भ्रमण कर तैयारी का जायजा लिया गया एवं व्यापक पुलिस प्रबन्ध के लिए सर्व–सम्बंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सभी अपर पुलिस अधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी एवं अन्य शाखा प्रभारी मौजूद रहे।

नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का किया गया आयोजन

नारी शक्ति के बढ़ते हुए कदम मोदी सरकार की हैट्रिक लगाएगा- राजेंद्र मिश्रा

प्रयागराज(आरएनएस)। भाजपा महिला मोर्चा के द्वारा शहर दक्षिणी विधानसभा में नारी शक्ति वंदन पदयात्रा का आयोजन घंटाघर स्थित छुन्नन गुरु जी की प्रतिमा से जानसेनगंज चौराहे तक किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाओं को सुरक्षा,सम्मान, और राजनैतिक अधिकार दिया गया और हर क्षेत्र में महिलाओं को सशक्त किया गया।

इस अवसर पर महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री डॉक्टर कृतिका अग्रवाल, प्रदेश मंत्री वंदना सिंह, पार्षद किरन जायसवाल पार्षद सुनीता चोपड़ा एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष शिखा रस्तोगी ने कहा कि मोदी ने नारी सशक्तिकरण के लिए बहुत कार्य किया है, हम महिलाएं हैं। आगे बढ़कर के इस बार संकल्प लेते हैं कि हम महिलाएं 2024 में रिकार्ड मतों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जिताकर सदन में पहुंचाएंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी सबसे बड़ी भूमिका निभाएंगे। मीडिया प्रभारी चंद्रा अहलूवालिया ने बताया कि पदयात्रा में एनजीओ की सामाजिक क्षेत्र में काम कर रही महिलाएं, महिला डॉक्टर, अधिवक्ता, एवं समाज की प्रबुद्ध जीवी महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम की संयोजिका चौक महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष का शिखा खन्ना रही। इस अवसर पर प्रमुख रूप से रीता सिंह, मंडल अध्यक्ष प्रिया कैथवास, स्मृति श्रीवास्तव ,आभा सिंह, नम्रता चौरसिया, पूनम, बबीता जायसवाल, काजल कैथवास एवं सैकड़ो महिलाओं ने भाग लिया।

नक्सल कनेक्शन के संदेह में पति–पत्नी गिरफ्तार

प्रयागराज(आरएनएस)। यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वायड टीम (एटीएस) ने मंगलवार को शहर से एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया। इन्हें नक्सली गतिविधियों में शामिल होने के मामले में पकड़ा गया है। दोनों रिश्ते में पति–पत्नी हैं। बता दें कि साल 2019 में लखनऊ एटीएस थाना में साथ लोगों के खिलाफ मुकदमा लिखा गया था। जिन आरोपियों के ऊपर समूचे देश में होने वाली नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप लगा था।मंगलवार को यूपी एटीएस ने नक्सली घटनाओं में शामिल और किसानों, मजदूरों को बरगलाकर उन्हें नक्सलवादी संगठन में काम करने के लिए प्रेरित करने आरोप में बिंदा सोना और कृपाशंकर सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों रिश्ते में पति पत्नी है। कृपाशंकर सिंह मूल रूप से कुशीनगर का रहने वाला है। जबकि उसकी पत्नी रायपुर छत्तीसगढ़ की रहने वाली है। फिलहाल एटीएस दोनों को गिरफ्तार करने के बाद अपने साथ ले गई है। गौरतलब है कि यूपी एटीएस की जांच में मनीष श्रीवास्तव और अमिता श्रीवास्तव को उसी समय गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। साल 2003 में दो अन्य आरोपी बृजेश कुशवाहा और प्रभा को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

दर्जनों अल्पसंख्यकों ने थामा भाजपा का दामन

प्रयागराज(आरएनएस)। प्रयागराज में आज अहमदपुर असरौली तिवारी तालाब जिटी रोड मकबुल मौलाना की मस्जिद के बगल में अल्पसंख्यक मोर्चा महानगर प्रयागराज के तत्वाधान में नवाब खान के नेतृत्व में जियाउल हक भाजपा नेता अल्पसंख्यक मोर्चा प्रयागराज संचालन में अल्पसंख्यक समाज के कई लोगों ने भाजपा ज्वाइन किया। मुख्य अतिथि के द्वारा जॉइनिंग कार्यक्रम कराया गया। महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा जिलाध्यक्ष भाजपा प्रयागराज, नवाब खान जिला संयोजक अल्पसंख्यक

इंडियन पोल्ट्री एक्सपो का शुभारंभ

प्रयागराज(आरएनएस)। इंडियन पोल्ट्री एक्सपो का आज शुभारंभ किया गया। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा एवं राज्यसभा सांसद रहे। एक्सपो कार्यक्रम में उपस्थित डॉ पी के शुक्ला ने कहा कि आज यहां पर आकर के इस बात का सौभाग्य प्रदान किया है उनके सामने अपनी बात कह सके। शुक्ला ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश शासन के विशेष आभारी हैं जिन्होंने कुक्कुट विकास की योजनाओं को समय – समय पर चलाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में मुर्गियों की संख्या लगभग 850 मिलियन है अंडे उत्पादन की दृष्टि से हम लोग विश्व में तीसरा स्थान रखते हैं आज की तारीख में 130 बिलीयन अंडे उत्पादन करते हैं और उत्पादन की दृष्टि से विश्व में पांचवा स्थान रखते हैं। उन्होंने कहा कि जब से प्रधानमंत्री ने यह मूल मंत्र दिया है कि हमें किसानों की आय दोगुनी करनी है उसमें पोल्ट्री फार्म का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान है। इस मौके पर वी वी शिवशंकर आयोजक, डॉक्टर पी के शुक्ला एक दिन मथुरा वेटरनरी कॉलेज, डॉक्टर एस के चौहान डायरेक्टर रफराक, रिकी थापर ट्रेजर पोल्ट्री फेडरेशन ऑफ इंडिया सेल्वर कानन, एफ एम शेख प्रेसिडेंट वॉयलर वेलफेयर फेडरेशन, वी पी सिंह प्रेसिडेंट कुक्कुट विकास समिति कन्वेनर, डॉ मनोज शुक्ला एवं अजय मेहरोत्रा आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।